राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण मंगलवार, 22 मार्च 2022 वर्ष–4,अंक–55 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री पद पर पुष्कर सिंह धामी की फिर हुई वापसी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी एक बार फिर उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री बन गए हैं। आज भाजपा प्रदेश मुख्यालय में हुई विधानमण्डल दल की बैठक में सर्वसम्मति से पुष्कर सिंह धामी को प्रदेश का पुनः मुख्यमंत्री घोषित किया गया। बता दें कि सरोवर नगरी नैनीताल में विधानसभा चुनाव के बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भाजपा पार्टी की जीत के लिए मन्दिरों व धार्मिक स्थलों में गुहार लगाने जगह-जगह पहुंचे थे। मुख्यमंत्री के गुहार को मां नयना देवी, शिव जी व गोल्ज्यू देवता समेत सभी धार्मिक स्थलों के परमात्मा का आशीर्वाद मिल गया। जहां भगवान ने मुख्यमंत्री धामी की गुहार स्वीकार कर ली, पर वह अपनी सीट नहीं बचा पाये। पार्टी की जीत के लिए मां नन्दा देवी मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने शिवलिंग में जल, दूध से स्नान कराया। वहीं उन्होंने घोड़ाखाल गोल्ज्यू मन्दिर में भी भाजपा पार्टी व अपनी जीत के लिए गुहार लगाई थी। भाजपा पार्टी को तो बहुमत के साथ ले आये, पर अपनी सीट नहीं बचा पाये। वहीं भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पुनः मुख्यमंत्री की ताजपोशी कर दी है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री बनने पर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ साथ नैनीताल वासियों में भी खुशी की लहर दौड़ पड़ी है, जबकि मुख्यमंत्री के पास अभी बड़ी चुनौती है।

हिमाचल कांग्रेस में खलबली, वर्तमान विधायक सहित चार पूर्व विधायक आप में जाने की जुगत में

शिमला । हिमाचल प्रदेश कांग्रेस में भगदड़ की स्थित बन गई है सोशल मिडिया द्वारा एक पोस्टर में एक मौजूदा विधायक सहित चार पूर्व विधायकों के आम आदमी पार्टी में शामिल होने की चर्चाओं का बाजार गर्म होने लगा है। जिससे प्रदेश की राजनिति में खलबली मच गई है। प्रदेश में इस साल के अंत में चुनाव होने जा रहे हैं। जिससे कई नेता अपना भविष्य सुरक्षित करने के लिये आम आदमी पार्टी का दामन थामने की तैयारी में हैं। इस मामले को लेकर सोशल मिडिया में अच्छी खासी बहस छिडी है। लोग पूर्व विधायकों के आप में आने का विरोध भी कर रहे हैं। जाने माने चिंतक देवाशीष भट्टाचार्य ने अपनी पोस्ट में कहा है कि हिमाचल उस आप को स्वीकार नहीं कर सकता है जो भाजपा या कांग्रेस के क्रॉसओवर से प्रभावित होगा। मुझे पूरी उम्मीद है कि हिमाचल में आप यह गलती नहीं करेगी। आम आदमी पार्टी में हिमाचल प्रदेश के आम व्यक्ति शामिल होने चाहिए न कि भाजपा और कांग्रेस के वीआईपी। प्रवासी पक्षियों को हतोत्साहित किया जाना चाहिए। दरअसल, सोशल मीडिया पर कांग्रेस के पूर्व मंत्री एवं धर्मशाला के पूर्व विधायक सुधीर शर्मा, पूर्व सीपीएस जगजीवन पाल, जयसिंहपुर से पूर्व विधायक यादविंदर गोमा, कांगड़ा के मौजूदा विधायक पवन काजल व ज्वालामुखी के पूर्व विधायक संजय रतन के आम आदमी पार्टी में शामिल होने का पोस्टर वायरल हो रहा है। कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं को बदले हालातों में लगने लगा है कि आने वाले चुनावों में उनका टिकट कट सकता है। ऐसे नेता अभी से ही अपना नया ठौर ठिकाना तलाशने लगे हैं। ऐसे नेता अभी से ही अपना नया ठौर ठिकाना तलाशने लगे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने के लिए तैयारियों जोर-शोर में

यूपी में 25 मार्च को शपथ लेंगे योगी, पीएम मोदी भी शपथग्रहण में लेंगे हिस्सा

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश की नवनिर्वाचित भाजपा सरकार के 25 मार्च को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह को भव्य बनाने के लिए प्रशासन जोर-शोर से तैयारियों में जुटा हुआ है। शपथ ग्रहण समारोह 25 मार्च की शाम चार बजे राजधानी में शहीद पथ स्थित अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में किया जाएगा। भाजपा ने शपथ ग्रहण में भाग लेने वाले अपने कार्यकर्ताओं के लिए कुछ निर्देश जारी किए हैं। भाजपा ने कहा है कि शपथ ग्रहण के दिन कार्यकर्ता सुबह 8 बजे से 10 बजे तक भगवान की पूजा करें। भाजपा के निर्देश में यह भी कहा गया है कि सभी अपनी अपनी विधानसभा क्षेत्र से शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हों। इसके अलवा यह भी कहा गया है कि जो लोग गाड़ी से आ रहे हैं, वे अपनी गाड़ी पर भाजपा का झंड़ा लगाएं। अपर मुख्य सचिव (सूचना) नवनीत सहगल ने इकाना स्टेडियम का दौरा किया और स्टेडियम प्रबंधन के साथ शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों पर विस्तार में चर्चा की। सहगल ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां मुख्य सचिव डीएस मिश्रा के नेतृत्व में की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में करीब 75 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था की गई है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों को भी आमंत्रित किया गया है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के शपथ ग्रहण में शामिल होने की संभावना है। इसके साथ ही केंद्र सरकार के कई मंत्रियों, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों, संघ और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों के भी शामिल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह में बसपा सुप्रीमो मायावती, सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा सहित विपक्षी दलों के नेताओं को भी आमंत्रित किया जाएगा।

वर्चुअल समिट में पीएम मोदी ने भारत-ऑस्ट्रेलिया के प्रगाढ़ संबंधों की बात की

नई दिल्ली । भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों की प्रगाड़ता पर कहा कि वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए एक तंत्र स्थापित करना प्रसन्नता का विषय है। भारत-ऑस्ट्रेलिया वर्चुअल समिट के एक ओपन सेशन में बोलते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि यह तंत्र हमारे संबंधों की नियमित समीक्षा के लिए एक संरचनात्मक प्रणाली तैयार करने में मदद करेगा। प्रधानमंत्री ने अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष स्कॉट मॉरिसन को प्राचीन भारतीय कलाकृतियों को वापस करने की पहल के लिए भी धन्यवाद दिया, जिनका उन्होंने वर्चुअल समिट से पहले निरीक्षण किया था। ऑस्ट्रेलिया ने 29 पुरावशेषों, मुख्य रूप से विभिन्न प्रकार की सामग्रियों में बनाई गई मूर्तियां और पेंटिंग्स, भारत को लौटाई हैं। ये पुरावशेष छह श्रेणियों, 'शिव और उनके शिष्यों', 'शक्ति की पूजा', 'भगवान विष्णु और उनके रूप', जैन परंपरा, चित्र और सजावटी वस्तुओं से नाता रखते हैं। स्कॉट मॉरिसन ने यूक्रेन में रूस की आक्रामकता के मद्देनजर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते बदलाव के खतरे के बारे में बात की। इस क्षेत्र में चीन के आक्रामक रुख का एक स्पष्ट संदर्भ में, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री ने कहा कि क्वाड नेताओं द्वारा यूक्रेन पर रूस के गैरकानूनी आक्रमण पर चर्चा करने का आह्वान भी इंडो-पैसिफिक रीजन के लिए उस भयानक घटना के निहितार्थ और परिणामों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करता है, जिन मुद्दों का हम यहां सामना करते हैं। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी ने इस शिखर वार्ता के दौरान यूक्रेन पर रूसी आक्रमण का उल्लेख नहीं किया और अपनी टिप्पणियों को भारत-ऑस्ट्रेलिया के साझा मूल्यों और विभिन्न क्षेत्रों में दोनों देशों द्वारा की गई उल्लेखनीय प्रगति पर केंद्रित रखा। उन्होंने कहा, व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, शिक्षा और नवाचार, विज्ञान और उन्होंने कहा, कई अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे खनिज, जल प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और कोविड-19 रिसर्च में भी हमारे बीच सहयोग तेजी से बढ़ा है।

अशोक मित्तल: पहले बने हलवाई, फिर यूनिवर्सिटी के चांसलर, अब जाएंगे राज्यसभा

चंड़ीगढ़ ।

पंजाब विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करने के बाद आम आदमी पार्टी राज्यसभा में भी अपनी ताकत परचम फहराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। राज्यसभा चुनाव के लिए पार्टी ने सोमवार को राज्यसभा के लिए जिन पांच नामों का ऐलान किया उनमें पंजाब की लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फाउंडर और चांसलर अशोक मित्तल का नाम भी शामिल है। वह देश के सफल उद्योगपतियों में से हैं। बता दें उनकी यूनिवर्सिटी देश की सबसे बड़ी प्राइवेट यूनिवर्सिटी में से एक है। तकरीबन 6 सौ एकड़ में फैली इस यूनिवर्सिटी में 50 से ज्यादा देशों के छात्र पढ़ते हैं। बताया जाता है कि अशोक मित्तल की फैमिली भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के बाद जालंधर आकर बस गई थी। यहां उनके पिता स्वर्गीय बलदेव राज मित्तल ने मिठाई की दुकान से अपने बिजनेस की शुरुआत की थी। जिसका नाम था लवली स्वीट्स। 500 रुपये के ऋण के साथ एक मिठाई की दुकान शुरू की थी। बाद में बलदेव राज मित्तल के दो बड़े बेटों रमेश और नरेश मित्तल ने पिता का कारोबार संभाला। अशोक मित्तल अपने भाइयों में सबसे छोटे थे। उन्होंने लॉ में ग्रेजुएशन किया और कारोबार में उतर आए। हालांकि उन्होंने इसके लिए ऑटो सेक्टर चुना। लवली ऑटो के नाम से अपना कारोबार शुरू किया। लेकिन यह इतना आसान नहीं था। 80-90 के दशक में बजाज टू-व्हीलर आम आदमी की पहचान थी। अशोक मित्तल ने बजाज की डीलरशिप लेने का फैसला किया, मगर ऐसा कहा जाता है कि शुरुआत में कंपनी ने एक मिठाईवाले को डीलरशिप देने से इंकार कर दिया था। मगर बाद में उन्हें बजाज की डीलरशिप मिल गई। वर्ष 1991 में अशोक मित्तल ने लवली नाम से ही ऑटो की डीलरशिप का काम शुरू किया। इस क्षेत्र में उनकी किस्मत ने साथ दिया। महज 5 साल में उन्हें मारुति सुजुकी की भी डीलरशिप मिल गई। अपनी मेहनत के दम पर कुछ समय में ही लवली ऑटो का नाम पंजाब की सबसे बड़ी ऑटो डीलरशिप में शामिल हो गया। अशोक मित्तल यही नहीं रुके। मिठाई और ऑटो डीलरशिप में सफलता प्राप्त करने के बाद उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा। सफलता प्राप्त करने के बाद उन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखा। फगवाड़ा में लवली प्रोफेशनल कॉलेज की नींव रखी। यह यूनिवर्सिटी में बदल गई। लवली ग्रुप शिक्षा, मिठाई और ऑटोमोबाइल डीलरशिप श्रेणियों में लगभग 800 करोड़ रुपए का समूह है।

तेलंगाना में शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने को लेकर विवाद गरमाया

नई दिल्ली । तेलंगाना के निजामाबाद जिले के बोधन इलाके में छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति को लेकर हुए बवाल के बाद सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बीजेपी की तरफ से सोमवार को बंद का आह्वान किया गया जिसके बाद इलाके में धारा 144 लगा दी गई है। दरअसल रविवार को अंबेड़कर क्रॉसरोड़ स्थित शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने को लेकर दो पक्षों में तनाव हो गया था। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों तरफ से पत्थरबाजी शुरू हो गई। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। शिवाजी महाराज की मूर्ति ना लगाने देने के विरोध में सोमवार को बीजेपी ने बंद बुलाया। दूसरी तरफ निजामाबाद पुलिस कमिशन्र केआर नागाराजू ने धारा 144 लगाने का ऐलान करते हुए कहा कि कानून तोड़ने की कोशिश करने वालों से निपटा जाएगा। इस दौरान प्रदर्शन की इजाजत नहीं होगी साथ ही ये भी कहा गया है कि दुकानदारों को दुकान खोलने से रोकने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी। रोड़ ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन की बसें भी सामान्य रूप से चल रही है। शिवाजी महाराज की मूर्ति लगाने को लेकर दो पक्षों में हुई झड़प अब राजनीतिक रंग भी लेती जा रही है। निजामाबाद से बीजेपी सांसद धर्मपुरी अरविंद ने राज्य सरकार को चेतावनी दी है कि वो शिवाजी महाराज की मूर्ति हटाने की कोशिश ना करे।

मणिपुर 5 कैबिनेट मंत्रियों संग बीरेन सिंह ने ली सीएम पद की शपथ

नई दिल्ली । मणिपुर में एक बार फिर एन बीरेन सिंह मुख्यमंत्री बन गए हैं। एन बीरेन सिंह ने सोमवार को इंफाल में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बीरेन सिंह के साथ ही पांच कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली है। इनमें नेमचा किपजेन, वाई. खेमचंद सिंह, बिस्वजीत सिंह, अवंगबौ न्यूमाई और गोविंदास कोंथौजम शामिल हैं। बीरेन सिंह ने जेपी नड्डा और अन्य भाजपा नेताओं की उपस्थिति में दूसरी बार मणिपुर के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली है। एक दिन पहले ही एन बीरेन सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था। शपथ लेने के बाद बीरेन सिंह ने कहा कि मेरी सरकार का पहला कदम इसे भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बनाना होगा। उन्होंने कहा कि मैं राज्य से भ्रष्टाचार को मिटाने के लिए दिन-रात काम करूंगा। अगला कदम यह होगा कि राज्य से किसी भी तरह के मादक पदार्थ संबंधी मामले को खत्म किया जाए। तीसरा मैं यह देखने की कोशिश करूंगा कि राज्य में सक्रिय सभी विद्रोहियों को बातचीत की मेज पर लाया जाए और संवाद हों। ये तीनों मेरे प्राथमिक कर्तव्य होंगे। इससे पहले रविवार को मणिपुर के राज्यपाल एल गणेशन ने भारतीय जनता पार्टी विधायक दल के नेता और कार्यवाहक मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को अगली सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था। जिसमें कहा गया कि एन बीरेन सिंह को सर्वसम्मति से 32 विधायकों के साथ भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया है

सुरक्षा बलों को कार्रवाई की पूरी छूट, आतंकी फंडिंग के सभी नेटवर्क तुरंत ध्वस्त करो : अमित शाह

नई दिल्ली ।

दो दिनों के दौरे पर जम्मू कश्मीर आए गृहमंत्री अमित शाह ने आतंकवाद के लिए फंड जुटाने वाले कश्मीरी कारोबारियों, अलगाववादियों, पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं पर सुरक्षाबलों को कार्रवाई की खुली छूट देते हुए उनकी गतिविधियों पर अंकुश लगाने को कहा है। शाह ने कहा सुरक्षा बल जल्द से जल्द आतंकी फंडिंग के सभी नेटवर्कों को ध्वस्त करें। घाटी में बड़ी संख्या में कारोबारियों और स्थानीय लोगों का नेटवर्क है, तो विभिन्न तरीके से आतंकियों की सहायता करता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी भी कई लोग जेल में बंद अलगाववादी नेता मसर्रत आलम, यासीन मलिक, शब्बीर शाह, बिट्टा कराटे जैसे लोगों के संपर्क में हैं। जो इनके इशारे पर देश-विदेश में बैठकर आतंकी गतिविधियों के लिए फंड जुटा रहे हैं। एनआईए और तमाम खुफिया एजेंसियों के पास कुछ लोगों के नामों की सूची भी है। जो रडार पर हैं।

जल्द ही इनके ऊपर कार्रवाई की जा सकती है। इसके अलावा पुंछ, कुपवाड़ा, राजोरी पंजाब के कुछ लोग आतंकियों के लिए फंड जुटाने में लगे हैं। सुरक्षा एजेंसियों ने अमित शाह को इस बात की जानकारी दी है कि कुछ लोग पंजाब की जेलों में भी बंद हैं, जो आतंकवादियों के लिए फंड जुटा रहे हैं।

गृहमंत्री शाह ने कहा कि देश को तोड़ने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। जो भी आतंकी गतिविधियों के लिए फंडिंग जुटा रहा है, उसका पूरा नेटवर्क तत्काल ध्वस्त किया जाना चाहिए। सुरक्षा बलों को इसके लिए पूरी छूट है। आतंकी गतिविधियों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

मध्य रेल द्वारा टिकट चेकिंग से 200 करोड़ की राजस्व अर्जित

मुंबई, ।

मध्य रेल ने वास्तविक रेल उपयोगकर्ताओं को बेहतर सेवाएं प्रदान करने और टिकट रहित यात्रा पर अंकुश लगाने के अपने प्रयास में, उपनगरीय, मेल, एक्सप्रेस, यात्री और स्पेशल ट्रेनों में टिकट रहित और अनियमित यात्रा के खिलाफ नियमित रूप से सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया है। इसके अलावा, रिवेन्यू लीकेज को रोकने के लिए, मध्य रेल की सतर्कता टीम टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ टिकट रहित यात्रा के खिलाफ भी इस तरह के अभियान चलाती है। अप्रैल 2021 से 16 मार्च 2022 (1.4.2021 से 16.3.2022) की अवधि के दौरान कुल 33.30 लाख मामले पकड़े गए और 200.85 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ जो सभी क्षेत्रीय रेलों में मामले और राजस्व के संबंध में सबसे अधिक है। यह कोविड-19 प्रतिबंधों के बावजूद मध्य रेल की अब तक की सबसे अधिक आय है। मुंबई मंडल ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा के 12.93 लाख मामले पकड़े हैं, जिनसे 66.84 करोड़ रुपये वसूल किए है, जो मध्य रेल के सभी मंडलों में सबसे अधिक है। भुसावल मंडल ने अनियमित यात्रा के 8.15 लाख मामले पकड़े हैं, जिनसे 58.75 करोड़ रुपये वसूल किए है, नागपुर मंडल ने अनियमित यात्रा के 5.03 लाख मामलों से 33.32 करोड़ वसूले , सोलापुर मंडल ने अनियमित यात्रा के 3.36 लाख मामले पकड़े गए और उनसे 19.42 करोड़ रुपये वसूले और पुणे मंडल ने अनियमित यात्रा के 2.05 लाख मामले पकड़े और उनसे 10.05 करोड़ रुपये की वसूली की गई है। मुख्यालय के टिकट चेकिंग दल ने बिना टिकट और अनियमित यात्रा के 1.80 लाख मामले पकड़े और उनसे 12.47 करोड़ रुपये की वसूल किए है।

उपरोक्त के अलावा, इस अवधि के दौरान सभी 56,443 व्यक्तियों को कोविड अनुरूप व्यवहार का उल्लंघन करने और मास्क न पहनते हुए पाया गया और उनसे 88.78 लाख रुपये का जुर्माना वसूल किया गया है। मध्य रेल यात्रियों से अपील करता है कि असुविधा से बचने के लिए उचित और वैध रेलवे टिकट के साथ यात्रा करें और गरिमा के साथ यात्रा करें और अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए कोविड -19 अनुरूप व्यवहार का पालन करें।

थिंक टैंक राज्यसभा में आप के 33 वर्षीय राघव चड्ढ़ा सहित अन्य 10 नौजवान सांसदों का होगा जलवा

नई दिल्ली । पंजाब विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल कर आम आदमी पार्टी (आप) ने अब राज्यसभा सीटों के लिए अपने पांच उम्मीदवारों की सूची घोषित कर दी है। इसमें पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह के साथ दिल्ली के 33 साल के विधायक राघव चड्ढा का नाम भी शामिल है। राज्यसभा को कभी रिटायर हो चुके लोगों का हाउस माना जाता था, लेकिन अब वहां भी युवाओं की संख्या बढ़ रही है। आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा 33 साल में सबसे कम उम्र के राज्यसभा सांसद बनने की राह पर हैं। राज्यसभा की इन सीटों पर 31 मार्च को मतदान होगा। चूंकि आप के पास पंजाब विधानसभा में 117 में से 92 सीटों के साथ बहुमत है, इसलिए उसके सभी उम्मीदवार निर्विरोध चुने जाएंगे। इससे राज्यसभा में आप सांसदों की संख्या अब तीन से बढ़कर आठ हो जाएगी। राघव चड्ढा इस समय दिल्ली के राजेंद्र नगर से विधायक हैं। उनको 2020 में पंजाब का सह प्रभारी नियुक्त किया गया था और वह पंजाब में आप की रणनीति को लागू करने के लिए लगातार पंजाब में बने रहे। पार्टी की स्थिति को साफ तौर से लोगों के सामने रखने के साथ-साथ विपक्ष के आरोपों का जवाब देने में दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्डा की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इससे साफ है कि न केवल मीडिया में बल्कि जमीन पर एक प्रचारक के रूप में भी युवा विधायक की बड़ी सफलता को देखते हुए पार्टी की अभूतपूर्व जीत के बाद अब पंजाब में उनकी काफी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इसके अलावा राघव चड्ढा को आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल का भरोसा हासिल है। चड्ढा दिल्ली और पंजाब के बीच की कड़ी हैं और उम्मीद है कि वह पंजाब सरकार के काम पर नजर रखेंगे। इससे पहले मैरी कॉम 35 साल की उम्र में सांसद बनीं थी और 34 साल की उम्र में रीताब्रत बनर्जी ने राज्यसभा की सदस्यता हासिल की थी। अब राघव चड्ढा केवल 33 साल की उम्र में राज्यसभा के सदस्य की शपथ लेने वाले सबसे कम उम्र के सांसद होंगे। केजरीवाल वफादार और भरोसेमंद सहयोगी चड्ढा पार्टी के सबसे कम उम्र के प्रवक्ता थे। चड्ढा ने दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण जल सुधारों पर काम किया। चड्ढा को दिल्ली विधानसभा की शांति और सद्भाव समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। इसी तरह क्रिकेटर से राजनेता बन रहे हरभजन सिंह की उम्र भी केवल 41 साल है। पार्टी को उम्मीद है कि वह पंजाब में खेल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, खेल विश्वविद्यालय बनाने और युवाओं के साथ पार्टी के संबंध को मजबूत करने में मदद करने के लिए काम करेंगे। हरभजन सिंह के पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ अच्छे संबंध हैं। इसके साथ ही वे भी राज्यसभा के कम उम्र के सांसदों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। इसके अलावा सीपीएम ने भी इस बार केरल से एक युवा चेहरे को राज्यसभा सीट के उम्मीदवार के लिए चुना है। यह फैसला पार्टी के नेतृत्व और संसदीय पदों में पीढ़ीगत बदलाव लाने के प्रयास के अनुरूप लिया गया। माकपा ने 40 साल के एए रहीम को 31 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए माकपा ने 40 साल के एए रहीम को 31 मार्च को होने वाले राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतारने का फैसला किया है। वे केरल से राज्यसभा के लिए चुने जाने वाले सबसे कम उम्र के नेताओं में से एक हो सकते हैं। कई दलों ने अपने युवा कार्यकर्ताओं को राज्यसभा भेजा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार जीवन का रहस्य भोग में स्थित नहीं है, यह केवल अनुभव द्वारा निरंतर सीखने से ही प्राप्त होता है। - स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

जापान के साथ

भारत और जापान के बीच बढ़ते संबंधों की जितनी सराहना की जाए कम होगी। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा की पहली भारत यात्रा अपेक्षा अनुरूप ही बहुत फलदायी रही है। दोनों देशों के बीच परस्पर विश्वास इनके बीच होने वाले व्यावसायिक, तकनीकी, सांस्कृतिक, रणनीतिक समझौतों में साफ झलकता है। कुछ ही देश हैं, जिनके प्रति भारतीयों को स्वाभाविक लगाव है, उनमें से एक जापान सबसे अलग है। दोनों देशों के बीच व्यापार की मात्रा उम्मीद और लक्ष्य के अनुरूप बढ़ती जा रही है, तो कोई आश्चर्य नहीं। सबसे बड़ी बात कि जापान आगामी पांच वर्षों में भारत में 3.20 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। चूंकि साल 2014 में तय लक्ष्य कमोबेश हासिल हो चुके हैं, इसलिए भी उम्मीदें बढ़ गई हैं। दोनों देशों के बीच मोटे तौर पर छह से ज्यादा समझौते हुए हैं। तकनीकी, व्यवसाय, पर्यावरण, साइबर सुरक्षा इत्यादि के स्तर पर भी भारत को फायदा होने वाला है। यह बहुत खुशी की बात है कि आज भारत में 1,455 जापानी कंपनियां हैं। ग्यारह जापानी औद्योगिक टाउनशिप (जेआईटी) की स्थापना की गई है। जापान विदेशी पूंजी निवेश के मामले में भारत का पांचवां सबसे बड़ा स्रोत है। भारत-जापान के बीच कोरोना की वजह से पिछले दो वर्ष से उच्चस्तरीय वार्ता एक तरह से रुकी हुई थी और अब फुमियो किशिदा पहली बार भारत आए हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साल 2014 में जापान गए थे और उसके बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों को और बल मिला है। जापान आज एक शांत और सांस्कृतिक रूप से सजग देश है। वह भारत की तरह ही शांति का समर्थक है, उसका भी किसी तरह का साम्राज्यवादी एजेंडा नहीं है। इसलिए दोनों देशों के बीच विशेष लगाव का विस्तार न केवल एशिया, बल्कि विश्व के लिए भी कारगर रहा है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, अनेक मेट्रो परियोजनाएं जापान के सहयोग से बहुत सफलतापूर्वक चल रही हैं। बुनियादी ढांचे में जापान से मिला सहयोग साफ झलकता है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों के विकास में भी जापान हमारा बहुत सहयोग कर रहा है। कौशल विकास में भी जापान का बड़ा योगदान है और किसी भी अन्य देश की तुलना में प्रशिक्षण और अनुशासन सिखाने में जापान श्रेष्ठ है। जापान हमें न केवल उदारता से ऋण देता है, हमें विकास करना भी सिखाता है। ऐसे देश के साथ संबंध विस्तार की कोई भी कोशिश स्वागतयोग्य है। भारत को रणनीतिक रूप से भी जापान को संदेश देते रहना चाहिए। जापान विगत कुछ वर्षों से ब्रिक्स की तरफदारी कर रहा है। इसी साल के अंत में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन के लिए मंच तैयार हो रहा है। यह आयोजन चीन में होना है, जापान चाहता है कि भारत इस सम्मेलन या सहयोग योजना में शामिल हो। लेकिन अब भारत ने यह साफ कर दिया है कि जब तक सीमा विवाद नहीं सुलझ जाता, तब तक चीन के साथ संबंध सामान्य नहीं हो सकते। हम जानते हैं कि लद्दाख गतिरोध का समाधान नहीं हो पा रहा है। लगता है, चीन ने पिछले सप्ताह हॉट प्रिंग से पीछे हटने की बात कहकर जापानी प्रधानमंत्री की भारत यात्रा की पृष्ठभूमि तैयार की थी, लेकिन भारत को सावधान रहना चाहिए। पूरे सद्भाव, सहयोग के साथ जापान को साथ रखते हुए अपनी सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी चाहिए।

जल संकट की गहराती समस्या

(विश्व जल दिवस (22 मार्च) पर विशेष/ लेखक-योगेश कुमार गोयल)

जल एक ऐसा दुर्लभ प्राकृतिक संसाधन है, जो सिर्फ कृषि कार्यों के लिए ही नहीं बल्कि पृथ्वी पर जीवन के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि जल की कमी का संकट न केवल भारत बल्कि दुनिया के लगभग सभी देशों की एक विकट समस्या बन चुका है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर दुनियाभर में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए प्रतिवर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है। सही मायने में यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' (यूएनसीईडी) में की गई थी। संयुक्त राष्ट्र की उसी घोषणा के बाद पहला विश्व जल दिवस 22 मार्च 1993 को मनाया गया था। दरअसल दुनियाभर में इस समय करीब दो अरब लोग ऐसे हैं, जिन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा और साफ पेयजल उपलब्ध न होने के कारण लाखों लोग बीमार होकर असमय काल का ग्रास बन जाते हैं। बात यदि भारत के संदर्भ में करें तो हमारा देश पहली बार 2011 में जल की कमी वाले देशों की सूची में शामिल हुआ था और अब स्थिति ऐसी हो चुकी है कि महाराष्ट्र हो या राजस्थान, बिहार हो या झारखण्ड या फिर देश की राजधानी दिल्ली, प्रतिवर्ष विशेषकर गर्मी के मौसम में देश के विभिन्न हिस्सों में पानी को लेकर लोगों के बीच आपस में झगड़े-फसाद की खबरें सामने आती रही हैं। कुछ ही साल पहले शिमला जैसे पर्वतीय क्षेत्र में पानी की कमी को लेकर हाहाकार मचा था और उसके अगले साल चेन्नई में वैसी ही स्थिति देखी गई। ये मामले जल संकट गहराने की समस्या को लेकर हमारी आंखें खोलने के लिए पर्याप्त थे किन्तु फिर भी इससे निपटने के लिए सामुदायिक तौर पर कोई गंभीर प्रयास होते नहीं दिख रहे। यही वजह है कि भारत में बहुत सारे शहर अब शिमला तथा चेन्नई जैसे हालातों से जूझने के कगार पर खड़े हैं। प्रधानमंत्री द्वारा 2019 में देश के हर ग्रामीण क्षेत्र तक नलों के जरिये प्रत्येक घर में जल पहुंचाए जाने के लिए 'जल जीवन मिशन' नामक अभियान की शुरूआत की गई थी। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक इस मिशन की शुरूआत से पहले देश के ग्रामीण इलाकों में केवल 3.23 करोड़ परिवारों के पास ही नल कनैक्शन थे और इस योजना के तहत 2024 तक 19.22 करोड़ ग्रामीण परिवारों तक पानी पहुंचाए जाने का लक्ष्य है। आंकड़ों के अनुसार इस मिशन की शुरूआत से लेकर 28 महीनों की अवधि में कुल 5.44 करोड़ घरों तक नल से जलापूर्ति शुरू की जा चुकी है और इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों में यह संख्या कुल 8.67 करोड़ हो चुकी है। हालांकि घर-घर तक जल पहुंचाने का वास्तविक लाभ तभी होगा, जब नलों से जलापूर्ति भी सुचारू रूप से हो और यह केवल तभी संभव होगा, जब जलस्रोतों की बेहतर निगरानी व्यवस्था होने के साथ-साथ जल संरक्षण के लिए कारगर प्रयास नहीं किए जाएं। पृथ्वी का करीब तीन चौथाई हिस्सा पानी से लबालब है लेकिन धरती पर मौजूद पानी के विशाल स्रोत में से महज एक-डेढ़ फीसदी पानी ही ऐसा है, जिसका उपयोग पेयजल या दैनिक क्रियाकलापों के लिए किया जाना संभव है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक में विस्तार से यह वर्णन किया गया है कि पृथ्वी पर उपलब्ध पानी की कुल मात्रा में से मात्र तीन प्रतिशत पानी ही स्वच्छ बचा है और उसमें से भी करीब दो प्रतिशत पानी पहाड़ों व ध्रुवों पर बर्फ के रूप में जमा है जबकि शेष एक प्रतिशत पानी का उपयोग ही पेयजल, सिंचाई, कृषि तथा उद्योगों के लिए किया जाता है। बाकी पानी खारा होने अथवा अन्य कारणों की वजह से उपयोगी अथवा जीवनदायी नहीं है। पुस्तक के अनुसार पृथ्वी पर उपलब्ध पानी में से इस एक प्रतिशत पानी में से भी करीब 95 फीसदी पानी भूमिगत जल के रूप में पृथ्वी की निचली परतों में उपलब्ध है और बाकी पानी पृथ्वी पर सतही जल के रूप में तालाबों, झीलों, नदियों अथवा नहरों में तथा मिट्टी में नमी के रूप में उपलब्ध है। इससे स्पष्ट है कि पानी की हमारी अधिकांश आवश्यकताओं की पूर्ति भूमिगत जल से ही होती है लेकिन इस भूमिगत जल की मात्रा भी इतनी नहीं है कि इससे लोगों की आवश्यकताएं पूरी हो सकें। वैसे भी जनसंख्या की रफ्तार तो तेजी से बढ़ रही है किन्तु भूमिगत जलस्तर बढ़ने के बजाय घट रहा है, ऐसे में पानी की कमी का संकट तो गहराना ही है। देश में जल संकट गहराते जाने की प्रमुख वजह है भूमिगत जल का निरन्तर घटता स्तर। एक रिपोर्ट के अनुसार इस समय दुनिया भर में करीब तीन बिलियन लोगों के समक्ष पानी की समस्या मुंह बाये खड़ी है और विकासशील देशों में तो यह समस्या कुछ ज्यादा ही विकराल होती जा रही है, जहां करीब 95 फीसदी लोग इस समस्या को झेल रहे हैं। पानी की समस्या एशिया में और खासतौर से भारत में तो बहुत गंभीर रूप धारण कर रही है। विश्वभर में पानी की कमी की समस्या तेजी से उभर रही है और यह भविष्य में बहुत खतरनाक रूप धारण कर सकती है। अधिकांश विशेषज्ञ आशंका जताने लगे हैं कि जिस प्रकार तेल के लिए खाड़ी युद्ध होते रहे हैं, जल संकट बरकरार रहने या और अधिक बढ़ते जाने के कारण आने वाले वर्षों में पानी के लिए भी विभिन्न देशों के बीच युद्ध लड़े जाएंगे और हो सकता है कि अगला विश्व युद्ध भी पानी के मुद्दे को लेकर ही लड़ा जाए। दुनियाभर में पानी की कमी के चलते विभिन्न देशों में और भारत जैसे देश में तो विभिन्न राज्यों में ही जल संधियों पर संकट के बादल मंडराते रहे हैं। बहरहाल, पानी की महत्ता को हमें समय रहते समझना ही होगा। इस तथ्य से हर कोई परिचित है कि जल ही जीवन है और पानी के बिना धरती पर जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती लेकिन जब हम हर जगह पानी का दुरूपयोग होते देखते हैं तो बहुत अफसोस होता है। पानी का अंधाधुध दोहन करने के साथ-साथ हमने नदी, तालाबों, झरनों इत्यादि अपने पारम्परिक जलस्रोतों को भी दूषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। हमें समझ लेना होगा कि बारिश की एक-एक बूंद बेशकीमती है, जिसे सहेजना बहुत जरूरी है। अगर हम वर्षा के पानी का संरक्षण किए जाने की ओर खास ध्यान दें तो व्यर्थ बहकर नदियों में जाने वाले पानी का संरक्षण करके उससे पानी की कमी की पूर्ति आसानी से की जा सकती है और इस तरह जल संकट से काफी हद तक निपटा जा सकता है।

भूजल का दोहन

जल सुरक्षा दिवस विशेष /लेखक-विष्णु अग्रवाल

सदियों पुरानी सभ्यता- भारत, पवित्र निदयों सिंधु और सरस्वती गंगा के तट पर जन्मी और फैली-फूली। प्राचीन ग्रंथों में जल संरक्षण और इसके प्रबंधन के महत्व को प्राय:रेखांति किया गया है। 2900 किलोमीटर तक फैली सिंधु नदी क्षेत्र की सबसे लंबी नदी है। इसके बाद ब्रहापुत्र, गंगा, गोदावरी, नर्मदा कृष्णा, महानदी और कावेरी का स्थान आता है। भारत में प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधन है। यहां पौधो की 47,000 किस्मो और जानवरो की 89,451 प्रजातियां पाई जाती है। जनसंख्या में वृद्धि के साथ पानी की बढ़ती मांग के कारण, आज भारत जल क्षेत्र में कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। 130 करोड़ की वर्तमान जनसंख्या वाले इस देश में पानी की कमी पहले से ही दिखाई दे रही है और 2050 तक आबादी के 160 करोड़ तक बढ़ने का अनुमान है जिससे यह समस्या और भी विकट हो जाएगी। इसके साथ ही बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण विश्वभर में जल चक्र में महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना है। भारत की जनसंख्या दुनिया की आबादी का 16 प्रतिशत है, लेकिन यहां जल संसाधन दुनिया के संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत ही है। भारत में वर्षा से उपलब्ध वार्षिक जल लगभग 4,000 घन कि.मी. है। सतही जल और पुनर्भरणीय उपयोग योग्य भूजल 1,869 घन कि.मी.लेकिन इसका केवल 60 प्रतिशत ही लाभकारी उपयोगों के लिए रखा जा सकता है, भारत में उपयोग योग्य जल संसाधन केवल 1,122 घन कि.मी. है। हमारे देश में 230 अरब क्यूबिक मीटर भूजल का दोहन हो रहा है। हालि में नीति आयोग के नवीनतम सर्वे के अनुसार भारत में 60 करोड़ लोग गम्भीर जल संकट का सामना कर रहे है। अपर्याप्त प्रदूषित जल के इस्तेमाल की वजह से भारत में हर साल 2 लोगो की मौत हो जाती है। आजादी के बाद देश में 3 राष्ट्रीय जल नीतियॉ बनी पहली नीति 1987 में दूसरी 2002 में 2012 में तीसरी जल नीति बनी। जल शक्ति मंत्रालय मिलकर नीति आयोग द्वारा जारी की गई जल रिपोर्ट मे संकेत दिया गया है कि दिल्ली बेंगलरू, चेन्नई, हैदराबाद सहित 21 बड़े शहर 2020 तक शून्य भूजल स्तर तक पहुंचने के कगार पर थे जिससे 100 मिलियन से अधिक लोगो के प्रभावित होने के आसार है। रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया गया है। कि 2030 तक देश में पानी की मांग उपलब्ध आपूर्ति से दुगुनी होने का अनुमान है, जिससे करोड़ो लोगो के लिए जल की गंभीर कमी हो सकती है। और भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि हो सकती है। यह माना जाता है कि पानी भी इस सदी में भूराजनीतिक संघर्ष का एक प्रमुख कारण होगा, कई देशो में जल के बटवारे तथा जल पर नियत्रंण के लिए भविष्य में युद्ध भी हो सकता है। राष्ट्रीय नदी गंगा का प्रभावी तरीके से प्रदूषित होने से बचाने और इसके सरंक्षण के उदेश्यों का पूरा करने के लिए जून 2014 में 20,000 करोड़ रूपये के बजट परिव्यय के साथ नमामि गंगे फ्लैगशिप कार्यक्रम शुरू किया गया था। राष्ट्रीय गंगा परिषद क अध्यक्ष माननीय प्रधानमंत्री है। गंगा सफाई की योजना 2001 से चल रही है आज दिनॉक तक गंगा की सफाई में अरबो रूपये खर्च होने के बाद भी नही हो पाई। भ्रष्ट सरकारी तंत्र ने गंगा सफाई के नाम पर भ्रष्टाचार में डुबकी लगाई। आज भी कानपुर, लखनऊ आदि क्षेत्रो में दूषित नालो का पानी गंगा नदी में छोडा जा रहा है। सरकार ने 15 अगस्त 2019 को भारत के 73 वे स्वतंत्रता दिवस पर जल जीवन मिशन का शुभारंभ किया, ताकि 2024 तक प्रत्येक ग्रामीण परिवार (हर घर नल जल) को प्रति व्यक्ति 55 लीटर पानी उपलब्ध कराने के लिए कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा सके। 2019-20 के दौरान 7 महीनो में (अगस्त से मार्च तक) 84 लाख से अधिक घरो में नल कनेक्शन दिए गए। भारत में पानी की बचत कम और बर्वादी अधिक होती है इसी की वजय से होने वाले जल संकट का ही बडा कारण आबादी का बढता दबाब प्रकृति से छेडछाड और कुप्रंबधन भी है। शहरो में पानी खत्म हो जाए और हमारे पास पीने को पानी ने बचे। क्योकि जल एक पुनर्भरणीय संसाधन है। हर साल यह बर्फ और बारिश के रूप में आता है। ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह भी है। कि कृषि को छोड़ कर, हम पानी का पूरी तरह उपभोग नही करते रैन वाटर हारवेस्टिंग के द्वारा इसका शोधन कर इसे फिर इस्तेमाल के लायक बनाया जा सकता है। इस तरह, इस क्षेत्र में हम भविष्य को बदल सकते है। शहरो व गॉव के प्राचीन कुयें व तालावो को विकास की दौड़ में भ्रष्ट सरकारी तंत्र ने तालाब की जगहो पर अवैध कब्जा हो गया। तथा कुओं को नगर पालिका, नगर निगम द्वारा शहर का कचडा एक्ठठा कर कुओं में डालकर बन्द कर दिया गया है। कुओ को हमारी भ्रष्ट व्यवस्था ने डसबीन बना दिया है। जल जीवन की एक मूलभूत आवश्यकता है। यह एक सीमित प्राकृतिक संशाधन है। भारत में दुनिया की आबादी का 18 प्रतिशत से अधिक है, जबकि इसके पास नवीकरणीय जल संसाधन विश्वभर के संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत ही है। भारत में 3,880 बिलियन घन मीटर की औसत वार्षिक वर्षा होती है। लेकिन समय और स्थान दोनो दृष्टियों से इसमें अत्यधिक भिन्नता है। कही-कही 50 प्रतिशत से अधिक वर्षा लगभग 15 दिनों में होती है ओर कई स्थानों पर एक वर्ष में 100 घंटे से कम वर्षा होती है। वाष्पीकरण के बाद, यहा लगभग 2,000 बिलियन घन मीटर पानी ही मिल पाता है। भूवैज्ञानिक और अन्य कारकों की वजह से इस मात्रा का पूर्ण उपयोग नहीं हो पाता है। उपयोग किया जाने वाला जल लगभग 78 प्रतिशत जल कृषि के लिए 8 प्रतिशत घरेलू उपयोग के लिए 6 प्रतिशत उद्योगो के लिए और शेष 8 प्रतिशत अन्य कार्यो में इस्तेमाल किया जाता है। भारत में जल संसाधनों के प्रबंधन में हाल के वर्षो में एक बदलाव देखा गया है। क्योकि देश के विकास के ऐजेडे में जल शासन को सबसे आगे रखा गया है।

आज के कार्टुन

ममता

श्रीराम शर्मा आचार्य

संसार से ममता को हटा देने या संसार भर में ममता का विस्तार कर देने का एक ही अर्थ है। यह कि थोड़े ही दायरे में ममता को केंद्रीभूत न रहने दिया जाए वरन उसका उपयोग विस्तृत क्षेत्र में किया जाए। केवल अपने शरीर तक या स्त्री, संतान तक ममता का सीमित रहना पापमूलक है क्योंकि अन्य लोगों को विराना समझने से उनका शोषण करने की प्रवृत्ति बलवती होती है। अपनों के लिए तो त्याग और सेवा करने की इच्छा होगी। अपनी बीमारी को दूर करने के लिए मनमाना पैसा खर्च किया जा सकता है, यदि भाई को अपना मानते हैं, तो उसकी बीमारी में सहायता किए बिना न रहा जाएगा। इस प्रकार पाप-पुण्य की प्रवृत्तियां भी इसी अहंता को सिकोड़ने और विस्तार करने पर निर्भर हैं। सदैव उद्योग करते रहिए कि अपना 'अहम' सीमित न रहे वरन जितना हो सके, विस्तृत किया जाए। आत्मभाव के विस्तार की सूक्ष्म मनोवृत्ति का व्यवहार उदारता में दर्शन किया जा सकता है। जिनके विचार और कार्य उदारतापूर्ण हैं, जो दूसरों की सुविधा का ध्यान रखते हैं, वास्तव में वे इस भूलोक के देवता हैं। अभागा कंजूस सोचता है कि सारी दौलत अपने लिए जोड़-जोड़ कर रख लूं, अपनी विद्या किसी पर न प्रकट करूं, अपनी शक्तियों को किसी को मुफ्त न दूं, ऐसे लोग सर्प बनकर संपदाओं की चौकीदारी करते हुए मर जाते हैं, उन्हें वह आनंद जीवन भर उपलब्ध नहीं होता जो उदारता द्वारा मिलता है। उदार व्यक्ति पड़ोसी के बच्चों को खिलाकर बिना खर्च उतना ही आनंद प्राप्त कर लेता है जितना कि बहुत खर्च और कष्ट के साथ अपने बालकों को खिलाने में प्राप्त किया जाता है। अपने हंसते बालकों को देखकर आपकी छाती गुदगुदाने लगती है। पडोसी के उससे भी सुंदर फूल से हंसते हुए बालक को देखकर आपके दिल की कली क्यूं नहीं खिलती? अपनी फुलवारी देखकर खुश होते हैं पर पास में ही जो सुरभित उद्यान लहलहाते हैं, वे आप मे तरंगें नहीं उत्पन्न करते? आपके आसपास अनेक सदाचारी, कर्त्तव्यपरायण, मधुर स्वभाव वाले, धर्मात्मा, परोपकारी, विद्वान निवास कर रहे हैं, उनका होना आपको क्यों शांतिदायी नहीं होता? कारण यह कि आप खुद अपने हाथों अपनी एक निजी अलग दुनिया बसाना चाहते हैं, उसी से संबंध रखना चाहते हैं, उसी की उन्नति देखकर प्रसन्न होना चाहते हैं, ये काम शैतान के हैं। शैतान के कार्य आनंदप्रद नहीं हो सकते।

सू-दोकू नवताल -2074

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

सू-दोकू -2073 का हल

3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2074

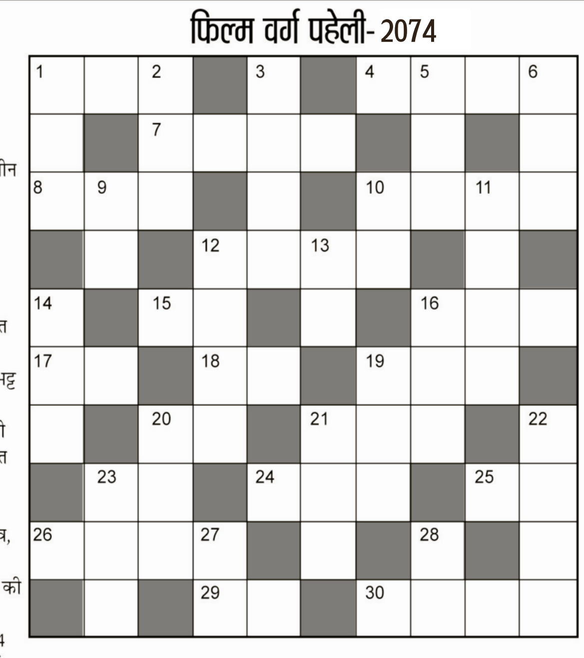

बायें से दायें:-

1. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-3
4. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-4
7. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-4
8. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-3
10. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-2,2
12. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-4
15. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-2
16. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-3
17. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-2
18. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-2
19. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-3
20. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-2
21. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-3
23. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-2
24. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-3
25. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-2
26. संजीवकुमार, शर्मिला की 1974 की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-4
29. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-2
30. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

1. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-3
2. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-3
3. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-4
5. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-3
6. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-3
9. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-2
10. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-2
11. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-4
12. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-4
13. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-2
14. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-3
16. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-3
19. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-3
20. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-3
21. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-3
22. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-4
23. 'ऑखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-3
27. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-2
28. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली-2073

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		रा	व	ण	रा	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		हा	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रेंट क्रूड वायदा 1.96 डॉलर चढ़कर 109.89 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वॉशिंगटन ।

कच्चे तेल की कीमतों में सोमवार को 2 डॉलर की बढ़ोतरी देखी गई है क्योंकि यूक्रेनी सेना ने रूसी हमलों के खिलाफ रक्षात्मक स्थिति अपनाई और वहीं दूसरी ओर प्रमुख तेल उत्पादकों ने बताया कि वह आपूर्ति समझौते के तहत अपने आवंटित कोटा का उत्पादन करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ब्रेंट क्रेड वायदा 1.96 डॉलर या 1.8 फीसदी चढ़कर 109.89 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। इसमें शुक्रवार को भी 1.2 फीसदी की वृद्धि हुई थी। यूएस वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड फ्यूचर्स 2 फीसदी बढ़कर 106.79 डॉलर हो गया। इसमें भी बीते शुक्रवार को 1.7 प्रतिशत की तेजी देखी गई थी। कीमतों में बढ़ोतरी तब हुई जब सोमवार सुबह यूक्रेन के उप प्रधानमंत्री इरिना वर्शचुक ने कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि देश की सेना पूर्वी बंदरगाह वाले शहर मारियो पोल में आत्मसमर्पण करेंगी। एएनजेड के विश्लेषकों ने कहा` कि बाजार आपूर्ति में व्यवधान के बारे में चिंतित है, डेटा के अनुसार वह पहले से ही प्रभावित हो रहा है। रूस सहित पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और सहयोगियों (ओपेक प्लस) की नवीनतम रिपोर्ट में कहा गया कि कुछ उत्पादक अभी भी अपने सहमत आपूर्ति कोटा को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। ओपेक प्लस देशों का फरवरी में अपने उत्पादन लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाए। इसमें एक मिलियन बैरल प्रति दिन (बीपीडी) से अधिक की कमी रही। तीन सूत्रों ने रॉयटर्स को यह जानकारी दी। उन्हें समझौते के तहत हर महीने 400,000 बीपीडी उत्पादन को बढ़ावा देना था क्योंकि इससे पहले वह 2020 में कटौती कर चुके थे और अब उसकी भरपाई करनी थी। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ने अब तक प्रमुख उपभोक्ता देशों द्वारा तेल की कीमतों को कम करने में मदद के लिए उत्पादन में तेजी लाने के आह्वान का विरोध किया है। कम आपूर्ति और उच्च कीमतों ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी को चार महीनों के भीतर तेल के उपयोग में 2.7 मिलियन बीपीडी की कटौती करने के तरीकों की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रेरित किया ।

लोकल एजेंट अब कनाडा के लिए एयर इंडिया की टिकट बुक नहीं कर सकेंगे

नई दिल्ली ।

एयर इंडिया ने लोकल एजेंट्स के कनाडा सेक्टर के लिए टिकट बुक करने पर रोक लगा दी है। दो साल के प्रे तिबंध पाबंदी के बाद अब इंटरनैशनल ट्रेवल में छूट दी गई है जिससे मांग बढ़ गई है। जानकारी के मुतो बिक लोकल एजेंट्स इस पर जमकर मुनाफा कमा रहे हैं। इसे रोकने के लिए एयर इंडिया ने यह फैसला` लिया है। ट्रेवल इंडस्ट्री के एक वर्ग का मानना है कि एयरलाइन की यह सख्त कार्रवाई उसके नए मालिक टाटा ग्रुप की वैल्यू को दिखाता है। एयर इंडिया को इस बात की जानकारी मिली थी के कुछ लोकल एजेंट टिकटों की बिक्री में उचित नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। इसे देखते हुए कंपनी ने उनके टिकट बुक करने पर प्रे तिबंध लगा दिया। जानकारी के मुतो बिक इन एजेंटों में बड़ा घालमेल किया था। वे एक तय कीमत पर सीटें ब्लॉक कर रहे थे और उससे चार गुना कीमत पर बेच रहे थे। इसी कारण उन पर रोक लगाई गई है क्योंकि इससे एयरलाइन को भारी नुकसान हो रहा था। अब कनाडा सेक्टर पर यात्रा करने जा रहे यात्री सीधे एयरलाइन की वेबसाइट पर टिकट बुक करा सकते हैं। पैसेंजर अब कॉल सेंटरों और एयरलाइन की बेवसाइट के जरिए टिकट बुक कर सकते हैं।

इस बारे में एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि वह इस बारे में संबंधित विभाग से जवाब का इंतजार है। लेकिन एजेंट्स पर प्रे तिबंध से गर्मियों की छुट्टियों के पीक सीजन में एयर इंडिया की कनाडा के लिए टिकटों की बुकिंग प्रभावित हो सकती है।

रिलायंस रिटेल ने लॉन्जरी ब्रांड रिटेलर क्लोविया में खरीदी 89 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

रिलायंस रिटेल वेंचर्स (आरआरवी) ने जिवाम और अमांटे के बाद अब ऑनलाइन लॉन्जरी रिटेलर क्लोविया में 89 फीसदी हिस्सेदारी खरीदी है। कंपनी ने 950 करोड़ रुपए के सौदे में यह हिस्सेदारी हासिल की है। कंपनी ने बताया कि इस सौदे में प्राथमिक निवेश और द्वितीयक शेयर बिक्री शामिल है। रिलायंस रिटेल वेंचर्स ने बयान में कहा कि क्लोविया की संस्थापक टीम और प्रबंधन कंपनी की बाकी बची हिस्सेदारी का मालिक होगा। कंपनी ने कहा कि पंकज वर्मानी, नेहा कांत और सुमन चौधरी द्वारा साल 2013 में क्लोविया की शुरुआत की गई थी। क्लोविया 3,500 से अधिक उत्पाद शैलियों की पेशकश करती है। इससे पहले रिलायंस रिटेल वेंचर्स ने बेंगलुरु स्थित फर्म डुंजो में 25 फीसदी हिस्सेदारी लेने के लिए में 240 मिलियन डॉलर का निवेश किया था। इस सौदे पर रिलायंस रिटेल वेंचर्स की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा` कि रिलायंस हमेशा विकल्पों को बढ़ाने और उपभोक्ताओं को सर्वोत्तम मूल्य प्रस्ताव पेश करने में सबसे आगे रहा है। हमें अपने पोर्टफोलियो में स्टाइल, गुणवत्ता और डिजाइन आधारित इंटिमेट वियर ब्रांड क्लोविया को शामिल करते हुए खुशी हो रही है। हम व्यवसाय को और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए क्लोविया में मजबूत प्रबंधन टीम के साथ काम करने के लिए तत्पर हैं। वहीं क्लोविया के संस्थापक और सीईओ पंकज वर्मानी ने कहा` कि क्लोविया रिलायंस रिटेल परिवार का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित है। इस साझेदारी से हमें रिलायंस की स्केल और रिटेल एक्सपर्टीज का फायदा मिलेगा।

भारत में 23 को लांच होगा स्मार्टफोन ओप्पो के-10, मिलेगा दमदार बैट्री का सपोर्ट

नई दिल्ली ।

ओप्पो के-10 भारत में लॉन्च होने के लिए तैयार है। फोन को भारत में 23 मार्च को लॉन्च किया जाएगा, लॉन्चिंग से पहले फोन के कई खास फीचर्स लीक हो गए हैं। यह फोन क्वालकॉम स्नैपड्रैगन चिपसेट के साथ आएगा। इस चीनी फोन बनाने वाली कंपनी ने बताया कि ये मिड-रेंज फोन होगा, और इसे बिक्री के लिए ई-कॉमर्स प्लैटफॉर्म पर उपलब्ध कराया जाएगा। ओप्पो के-10, रैम एक्सटेंशन टेक्नोलॉजी के साथ आएगा, और ये इस सीरीज़ का पहला फोन होगा। ओप्पो के-10 फ्लिपकार्ट के ज़रिए 23 मार्च को लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने पहले ही नोटीफाई मी पेज को लाइव कर दिया है। ओप्पो के-10 के साथ-साथ कंपनी टीडब्ल्यूएस इन्को एयर-2 को भी पेश करेगा। ओप्पो के-10 को माइक्रो पेज पर दो कलर वेरिएंट में देखा गया है। ये 6एनएम क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 680 प्रोसेसर के साथ आता है। आने वाले ओप्पो के-10 पंट होल डिस्प्ले डिज़ाइन दी गई है, जो कि सेल्फी लेंस के साथ आता है। ओप्पो के-10 को लेकर कहा जा रहा है कि ये बजट सेगमेंट का फोन होगा, और इसके लिए इसे फीचर्स भी ऐसे ही होंगे। उदाहरण के तौर पर ओप्पो के-10 में 5,000एमएएच की बैटरी दी जा सकती है, जो कि 18वाट चार्जर के साथ आएगी। उम्मीद की जा रही है कि यह एन्ड्रायड 11 आउट ऑफ द बॉक्स के साथ आएगा। ओप्पो के-10 में कम से कम 3जीबी रैम और 64 जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ आ सकता है। कम से कम 3जीबी रैम और 64 जीबी इंटरनल स्टोरेज के साथ आ सकता है। जा सकता है। हालांकि ओप्पो ने ऐसी कोई जानकारी नहीं दी है। लीक रिपोर्ट के मुताबिक ओप्पो के-10 को भारत में 20,000 रुपए से कम कीमत में पेश किया जा सकता है। हालांकि ओप्पो ने ऐसी कोई जानकारी नहीं दी है। ओप्पो के-10 के अलावा इवेंट में ओप्पो टीडब्ल्यूएस, एन्को एयर2 में 13.4 एमएम का डायनेमिक ड्राइवर और तीन इक्वलाइज़ मोड्स मिलेंगे। कंपनी का दावा है कि ये 24 घंटे के प्लेबैक टाइम के साथ आता है।

संक्षिप्त समाचार

स्मार्टफोन, टीवी और लैपटॉप के बढ़ सकते हैं दाम

नई दिल्ली । कोरोना के फिर से बढ़ते मामलों का असर स्मार्टफोन, स्मार्ट टीवी, लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक सामान की कीमतों पर देखने को मिल सकता है। कोरोना संक्रमण के चलते चीन के कई शहरों में फिर से लॉकडाउन लगाया गया है। चीन के टेक हब शेनझेन क्षेत्र में कोरोना वायरस के मामलों में ताजा उछाल के बाद लॉकडाउन से टीवी, लैपटॉप और स्मार्टफोन की कीमतें बढ़ सकती हैं, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के सबसे बड़े आपूर्तिकर्ताओं में से एक है। इंटरनेशनल डेटा कॉरपोरेशन के मुताबिक भारत के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की आपूर्ति का लगभग 20 से 50 फीसदी तक चीन के शेनझेन से आता है। अगर कोरोना संक्रमण और लॉकडाउन जैसे हालात फिर से पैदा होते हैं तो निश्चित रूप से इसका असर तमाम तरह के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों पर देखने को मिलेगा. उत्पादों की लागत बढ़ रही है और बढ़ती कीमतों का बोझ सीधे उपभोक्ताओं पर पड़ेगा। अगर शेनझेन शहर में लॉकडाउन तीन सप्ताह या उससे अधिक के पार जाता है, तो यह जून तिमाही के साथ-साथ सितंबर तिमाही में स्मार्टफोन और पर्सनल कंप्यूटर के शिपमेंट को प्रभावित करेगा। काउंटरपॉइंट रिसर्च के एक शोधकर्ता ने कहा है कि अगर लॉकडाउन 20 मार्च से आगे बढ़ता है तो कीमतें बढ़ना शुरू हो जाएंगी। स्मार्टफोन की कीमतें 5-7 फीसदी तक बढ़ सकती हैं। बाजार के जानकार कहते हैं कि उत्पादों की कीमत और माल ढुलाई दरें पिछले एक साल में बढ़ी हैं, जिसका अर्थ है कि अधिकांश ब्रांड नई लागत के दबाव को सहन करने में सक्षम नहीं हो सकते हैं और वे इस दबाव को उपभोक्ताओं के ऊपर डाल देंगे। विश्लेषकों का कहना है कि एप्पल ~को छोड़कर अधिकांश स्मार्टफोन ब्रांड 2-3 फीसदी के मामूली मुनाफे पर काम करते हैं।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने पुणे टाउनशिप में 1,002 करोड़ के घर बेचे

नई दिल्ली । गोदरेज प्रॉपर्टीज ने महाराष्ट्र के पुणे स्थित टाउनशिप में चालू वित्त वर्ष में अब तक 1,002 करोड़ रुपए के घर बेचे हैं। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड (जीपीएल) ने सोमवार को शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा कि पुणे के महालुंगे में टाउनशिप परियोजना रिवरहिल्स में चालू वित्त वर्ष में 1,002 करोड़ रुपए की बिक्री हुई है। कंपनी ने चालू वित्त वर्ष में इस टाउनशिप परियोजना में 1,550 से अधिक घर बेचे हैं जो 15 लाख वर्गफुट क्षेत्र में फैले हैं। टाउनशिप के पहले चरण की शुरुआत 2019 में हुई थी तब से जीपीएल ने 3,600 से अधिक घर बेचे हैं जो 34 लाख वर्गफुट क्षेत्र में फैले हैं और इनका बुकिंग मूल्य 2,100 करोड़ रुपए से अधिक है।

कोरोना की दवा के लिए स्ट्राइड्स फार्मा का मेडिसीन्स पेटेंट पूल से करार

नई दिल्ली । स्ट्राइड्स फार्मा साइंस ने सोमवार को कहा कि फाइजर की ओरल (खाई जाने वाली) कोविड-19 दवा के जेनेरिक संस्करण के 95 निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में वाणिज्यिकरण के लिए उसने मेडिसीन्स पेटेंट पूल (एमपीपी) के साथ उप-लाइसेंस समझौता किया है। अमेरिका तथा अन्य देशों में उच्च जोखिम में आने वाले वयस्कों और रोगग्रस्त बच्चों के लिए फाइजर के इस उत्पाद के आपात इस्तेमाल की मंजूरी दी गई है। इस दवा को खाया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि एमपीपी के साथ उप-लाइसेंस समझौते के तहत कोविडैक्स नाम की दवा को 95 बाजारों में उतारा जाएगा। इसका विनिर्माण कंपनी के बेंगलुरु स्थित संयंत्र में किया जाएगा। इसका विनिर्माण कंपनी के बेंगलुरु स्थित संयंत्र में किया जाएगा। स्ट्राइड्स फार्मा साइंस के संस्थापक अरूण कुमार ने कहा` कि यह दुनियाभर में कोविड-19 के खतरे से लड़ने के लिए उच्च गुणवत्ता वाली दवाओं के उत्पादन की हमारी प्रतिबद्धता का हिस्सा है।

सिंटेक्स के कर्जदाताओं ने रिलायंस, एसीआरई की संयुक्त समाधान प्रक्रिया को मंजूरी दी

नई दिल्ली । कर्ज संकट से जूझ रही टेक्सटाइल निर्माता सिंटेक्स इंडस्ट्रीज के कर्जदाताओं ने दिवाला समाधान प्रक्रिया के तहत इस कंपनी के अधिग्रहण के लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड और एसेट्स केयर एंड रिकंस्ट्रक्शन एंटरप्राइज (एसीआरई) की संयुक्त बोली को मंजूरी दे दी है। शेयर बाजारों को मिली जानकारी के अनुसार सिंटेक्स इंडस्ट्रीज की कर्जदाताओं की समिति (सीओसी) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज और एसीआरई की संयुक्त समाधान योजना के पक्ष में आम सहमति से मतदान किया। इसमें बताया गया` कि समाधान योजना को मंजूरी के लिए ई-मतदान की प्रक्रिया 19 मार्च को पूरी हुई और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड तथा एसीआरई की संयुक्त समाधान योजना को सीओसी के सभी सदस्यों ने मंजूरी दी। सिंटेक्स इंडस्ट्रीज ने संयुक्त बोली की राशि का खुलासा नहीं किया है लेकिन कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बोली की राशि लगभग 3,000 करोड़ रुपए है। सिंटेक्स इंडस्ट्रीज के समाधान पेशेवर को वेलस्पन समूह की फर्म ईजीगो टेक्सटाइल्स, जीएचसीएल और हिम्मतसिंगका वेंचर्स के साथ श्रीकांत हिम्मतसिंगका और दिनेश कुमार हिम्मतसिंगका की बोलियां भी मिली थी।कंपनी के खिलाफ दिवाला कार्यवाही पिछले वर्ष अप्रैल में शुरू हुई थी।

बीएसएनएल को 2021-22 में विभिन्न सेवाओं से आय 17,000 करोड़ रहने की उम्मीद

नई दिल्ली ।

भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक पीके पुरवार ने बताया कि कंपनी को 2021-22 में 17,000 करोड़ रुपये की सेवा से आय होने की उम्मीद है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में थोड़ी कम है। उन्होंने बताया कि कॉल कनेक्ट शुल्क हटाने के कारण मुख्य रूप से आय में कमी आएगी। पुरवार ने कहा सरकारी स्वामित्व वाली दूरसंचार कंपनी को अपना ग्राहक आधार बनाए रखने और आने वाले महीनों में शुरू होने वाली 4जी सेवाओं से अपनी पकड़ बनाए रखने का भरोसा है। उन्होंने कहा 5जी सेवाओं के लिए निजी दूरसंचार कंपनियों की प्रतिस्पर्धा तेज होने के बावजूद ऐसा होगा। उन्होंने कहा कि निजी परिचालकों द्वारा 5जी पेशकशों की शुरुआत से बीएसएनएल को तत्काल नुकसान नहीं होगा, क्योंकि नए जमाने की सेवाओं के लिए उपकरण अभी विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीएसएनएल द्वारा 4जी सेवाएं शुरू करने की तैयारी अच्छी तरह से चल रही है। बीएसएनएल का 2022 में 4जी सेवाएं शुरू करने का लक्ष्य है। पुरवार ने बताया कि हम चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2021-22 में स्थिर आय (सेवाओं से, अन्य आय को छोड़कर) को बनाए रखने में सक्षम हैं। वित्त वर्ष 2020-21 में सेवाओं से 17,452 करोड़ रुपये की आय के मुकाबले, इस साल हम 17,000 करोड़ रुपये से अधिक की आय हासिल करेंगे।'' उन्होंने कहा कि इंटरकनेक्ट उपयोग शुल्क को हटाने के कारण आय में कमी हुई है। बीएसएनएल का घाटा 2019-20 में 15,500 करोड़ रुपये था, जो 2020-21 में घटकर 7,441 करोड़ रुपए रह गया था। बीएसएनएल प्रमुख ने कहा हमें चालू वित्त वर्ष में पिछले साल की तरह ही नुकसान की आशंका है।

थोक उपभोक्ताओं के लिए डीजल दामों में 25 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

महंगाई के उछाल का असर डीजल पर भी पड़ने वाला है। अब थोक उपभोक्ताओं के लिए डीजल कीमतों में 25 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि थोक ग्राहकों को बिक्री वाला डीजल 25 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में 40 प्रतिशत के उछाल के बाद यह कदम उठाया गया है। हालांकि, पेट्रोल पंपों के जरिये बेचे जाने वाले डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस महीने पेट्रोल पंपों की बिक्री में 20 प्रतिशत का उछाल आया है। बस बेड़े के परिचालकों और मॉल जैसे थोक उपभोक्ताओं ने पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीदा है। आमतौर पर वे पेट्रोलियम कंपनियों से सीधे ईंधन की खरीद करते हैं। इससे ईंधन की खुदरा बिक्री करने वाली कंपनियों का नुकसान बढ़ा है। सबसे अधिक प्रभावित नायरा एनर्जी, जियो-बीपी और शेल जैसी कंपनियां हुई हैं। बिक्री बढ़ने के बावजूद इन कंपनियों ने अभी तक मात्रा में कमी नहीं की है। लेकिन अब पंपों के लिए परिचालन आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं रह जाएगा। मामले की जानकारी रखने वाले तीन सूत्रों ने कहा कि रिकॉर्ड 136 दिन से ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हुई है, जिसकी वजह से कंपनियों के लिए इन दरों पर अधिक ईंधन बेचने के बजाय पेट्रोल पंपों को बंद करना अधिक व्यावहारिक विकल्प होगा। वर्ष 2008 में रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बिक्री घटकर 'शून्य' पर आने के बाद अपने सभी 1,432 पेट्रोल पंप बंद कर दिए थे। सूत्रों ने कहा कि कुछ यही स्थिति आज भी बन रही है। थोक उपभोक्ता पेट्रोल पंपों से खरीदारी कर रहे हैं। इससे इन रिटेलरों का घाटा बढ़ रहा है। मुंबई में थोक उपभोक्ताओं के लिए डीजल का दाम बढ़कर 122.05 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पेट्रोल पंपों पर डीजल 94.14 रुपये प्रति लीटर के भाव बिक रहा है। इसी तरह दिल्ली में पेट्रोल पपों पर डीजल 86.67 रुपये प्रति लीटर है जबकि थोक या औद्योगिक ग्राहकों के लिए इसकी कीमत 115 रुपये प्रति लीटर है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने चार नवंबर, 2021 से पेट्रोल और डीजल के दाम नहीं बढ़ाए हैं। हालांकि, इस दौरान वैश्विक स्तर पर ईंधन कीमतों में उछाल आया है। माना जा रहा है कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर ईंधन कीमतों में बढ़ोतरी नहीं की गई। विधानसभा चुनाव के नतीजे 10 मार्च को आ गए हैं, लेकिन उसके बाद भी संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की वजह से फिलहाल कीमतों में बढ़ोतरी नहीं हुई है। थोक उपभोक्ताओं के लिए दरों और पेट्रोल पंप कीमतों में 25 रुपये के बड़े अंतर की वजह से थोक उपभोक्ता पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीद रहे हैं।

मारुति बलेनो-टोयोटा ग्लैंजा आ रही सीएनजी अवतार में

नई दिल्ली। बीते दिनों लॉन्च 2022 नई मारुति बलेनो और नई टोयोटा ग्लैंजा भी जल्द सीएनजी अवतार में आने वाली है। दोनों ही कारें प्रीमियम हैचबैक सेगमेंट की हैं और मारुति सुजुकी-टोयोटा पार्टनरशिप के तहत तैयार हुई हैं। बीते दिनों ही ये दोनों मॉडल अपडेट हुई हैं, जिनमें लुक तो बेहतर किया ही गया है, साथ ही ढेर सारे नए फीचर्स भी जोड़े गए हैं। फिलहाल ये दोनों ही कारें पेट्रोल इंजन ऑप्शन में हैं और जल्द ही इनके सीएनजी वेरिएंट्स भी आने वाले हैं, जिससे लोगों की जेब पर बोझ कम होगा और उनके पैसे बचेंगे। आजकल जब पेट्रोल की कीमत आसमान छू रही है, ऐसे में लोग नई कार खरीदने से पहले ये जानना चाहते हैं कि यह माइलेज कितना देती है। आप नई बलेनो और नई ग्लैंजा के अपकमिंग सीएनजी मॉडल की माइलेज के बारे में भी जानना चाह रहे होंगे। ऐसे में आपको बता दें कि टोयोटा इंडिया की वेबसाइट के मुताबिक नई ग्लैंजा सीएनजी को 25केएमपीएल तक की माइलेज के साथ पेश किया जाएगा। वहीं, नई मारुति बलेनो की माइलेज भी 25केएमपीएल से 30केएमपीएल तक के बीच हो सकती है। फिलहाल इन दोनों हैचबैक के रेगुलर मॉडल में 1.2 लीटर डुअलजेट पेट्रोल इंजन लगा है, जो कि मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों तरह के ट्रांसमिशन ऑप्शन में है। इन कारों के पेट्रोल इंजन ऑप्शन की माइलेज 22 किलोमीटर प्रति लीटर तक की है। बता दें कि नई टोयोटा ग्लैंजा को भारत में ई,एस,जी और वी जैसे ट्रिम लेवल के ढेर सारे वेरिएंट्स में पेश किया गया है, जिनकी कीमतें 6.4 लाख रुपये से लेकर 9.7 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक है। वहीं, नई मारुति बलेनो की कीमत 6.35 लाख रुपये से लेकर 9.49 लाख रुपये (एक्स शोरूम) तक है।

20 बिलियन डॉलर का उत्पादन करेगा आईफोन एसई

सैन फ्रांसिस्को ।

एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, विश्लेषक अमित दरयानी ने मुख्य रूप से आईफोन एसई (2022) द्वारा संचालित एप्पल प्रोडक्टस के शिपमेंट और बिक्री में वृद्धि की भविष्यवाणी की है, जिसे आधिकारिक तौर पर कुछ दिन पहले अनावरण किया गया था। नया आईफोन एसई (2022) अपने पहले साल में 20 बिलियन डॉलर का उत्पादन कर सकता है। बजट आईफोन एसई प्रोडक्ट का तीसरा संस्करण है और इसकी कीमत 400 डॉलर से ठीक ऊपर है, जबकि यह कई प्रीमियम-ग्रेड सुविधाओं के साथ आता है। दरयानी ने कहा कि आईफोन एसई 3 लॉन्च अपने पहले साल के भीतर मॉडल की 35 मिलियन यूनिट के शिपमेंट को पार करने के लिए बहुत जरूरी टेलविंड प्रदान करेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह प्रक्षेपण कुछ प्रमुख बुनियादी बातों से प्रेरित है जो संकेत देते हैं कि लेटेस्ट आईफोन एसई पारंपरिक पुराने आईफोन यूजर्स को बजट के अनुकूल स्मार्टफोन की ओर आकर्षित करेगा। अपनी 5जी क्षमता के अलावा, आईफोन एसई 3 एप्पल के प्रीमियम ए15 बायोनिक चिप द्वारा संचालित है, जो आईफोन 13 सीरीज में भी मौजूद है। दरयानी आईफोन एसई 3 को इसके साथ आने वाली सुविधाओं के लिए अच्छी कीमत के रूप में देखता है, इस तथ्य के साथ कि यह आईफोन 8 जैसे कुछ पुराने आईफोन मॉडल के साथ-साथ इसकी 5जी क्षमताओं को भी बेहतर बनाता है। शिपमेंट लागत के साथ भी, नया आईफोन एसई 3 450 डॉलर से 500 डॉलर के आसपास मंडराएगा और यह क्यूपर्टिनो-आधारित तकनीकी दिग्गज के लिए वार्षिक राजस्व में 20 बिलियन डॉलर तक का उत्पादन कर सकता है। आईफोन एसई 3 की बेची गई इकाइयों की मात्रा 2022 के अंत तक एप्पल के राजस्व अनुमानों का 5 प्रतिशत तक हो सकती है, जो प्रभावशाली है।

जापान की कंपनी लेक्सस भारत में इलेक्ट्रिक वाहन उतारेगी

नई दिल्ली । भारत में विकास के अगले चरण की ओर बढ़ रही लग्जरी कार कंपनी लेक्सस अब यहां के बाजार में अपने बिक्री नेटवर्क को मजबूत करने और इलेक्ट्रिक कारों समेत नए मॉडल बाजार में उतारने की तैयारी पर` विचार कर रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। जापान की कार विनिर्माता कंपनी टोयोटा की लग्जरी कार इकाई लेक्सस ने भारत में परिचालन 2017 में शुरू किया था और अभी यह देश में सात कार मॉडल बेचती है जिनमें स्थानीय स्तर पर विनिर्मित ईएस 300 एच सेडान भी शामिल है। स्वतः चार्ज होने वाली अपनी हाइब्रिड कारों के लिए पहचानी जाने वाली लेक्सस बैटरी से चलने वाले इलेक्ट्रिक वाहनों के क्षेत्र में कदम रखने की तैयारी कर रही है। लेक्सस इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि अभी कार मॉडल यूएक्स का पूर्ण बैटरी इलेक्ट्रिक रूप में भारतीय जलवायु परिस्थितियों के हिसाब से आकलन किया जा रहा है। परीक्षण में विशेषकर गर्मी और धूल के बैटरी पर असर का पता लगाने के बाद कंपनी देश में इस मॉडल को उतारने के बारे में गंभीरता से विचार कर सकती है। भविष्य में चार्जिंग अवसंरचना के विकास के साथ कंपनी बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए और भी तैयार होगी।

नडाल को हराकर फ्रिट्ज बने इंडियन वेल्स चैम्पियन

कैलिफोर्निया । अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज ने स्पेन के राफेल नडाल को हराकर इंडियन वेल्स टेनिस खिताब जीत लिया है। नडाल को फाइनल में फ्रिट्ज ने सीधे सेटों में आसानी से हरा दिया। इसी के साथ ही इस साल नडाल को पहली बार हार का सामना करना पड़ा है। मैच के दौरान नडाल को इलाज के लिए कोर्ट से बाहर भी जाना पड़ा। वहीं कोर्ट पर वापसी के बाद नडाल अधिक सहज दिखे पर फ्रिट्ज ने इसके बाद भी 6-3 7-6 (7-5) से जीत दर्ज कर ली। इसी के साथ ही फ्रिट्ज साल 2001 में आंद्रे अगासी के बाद इंडियन वेल्स में जीत हासिल करने वाले पहले अमरीकी खिलाड़ी बने हैं। जीत से उत्साहित होकर फ्रिट्ज ने कहा, यह उन बचपन के सपनों में से एक है, जिसके बारे में मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि यह सच होगा। वहीं हार के बाद निराश नडाल ने कहा, मैंने पिछले दो हफ्तों के दौरान अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया, आज संभव नहीं था। मेरे विचार से अंत तक मैनें अच्छा मुकाबला किया। नडाल ने इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में शानदार प्रदर्शन किया था।

एफआईएच प्रो लीग हॉकी:

मनदीप के गोल से भारत ने अर्जेंटीना को 4-3 से हराया

भुवनेश्वर ।

मनदीप सिंह के अंतिम समय में किये गये शानदार गोल से भारत ने एफआईएच प्रो लीग हॉकी में अर्जेंटीना को दूसरे मैच में 4-3 से हरा दिया। वहीं पहले चरण का मुकाबला अर्जेंटीना ने शूटआउट में जीता था। भारत की जीत में जुगराज सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई। जुगराज ने पेनल्टी कार्नर से 2 गोल किये थे। वहीं मनदीप ने अंतिम हूटर बजने से 26 सेकेंड पहले एक गोल किया जिससे भारतीय टीम को जीत मिली। इससे पहले जुगराज ने 20वें और 52वें मिनट में जबकि हार्दिक सिंह ने 17वें मिनट में गोल किया था। वहीं अर्जेंटीना की ओर से डेला टोरे निकोलस ने 40वें, डोमेन टॉमस ने 51वें और फेरेरो मार्टिन ने 56वें मिनट में गोल किये। इस जीत से भारतीय टीम 8 मैचों में 16 अंक हासिल कर दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है जबकि अर्जेंटीना ने 6 मैचों में 11 अंक हासिल किये हैं और वह चौथे स्थान पर है। इस मैच का पहला क्वार्टर गोलरहित रहा। भारतीय टीम ने इसके बाद दूसरे क्वार्टर में शानदार खेल दिखाया और दो गोल किये। हार्दिक ने पहला गोल किया। इसके 3 मिनट बाद ही पेनल्टी कार्नर पर जुगराज ने गोल दागा। वहीं अर्जेंटीना ने तीसरे क्वार्टर में शानदार वापसी की। भारतीय टीम ने इसके बाद दूसरे क्वार्टर में शानदार खेल दिखाया और दो गोल किये। हार्दिक ने पहला गोल किया। इसके 3 मिनट बाद ही पेनल्टी कार्नर पर जुगराज ने गोल दागा। वहीं अर्जेंटीना ने तीसरे क्वार्टर में शानदार वापसी की। उसकी ओर से पहला गोल डेला टोरे ने किया जबकि डोमेन टॉमस ने 51वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक से गोल कर स्कोर 2-2 से बराबरी पर ला दिया। जुगराज ने इसके बाद एक और गोल कर भारतीय टीम को बढ़त दिला दी। वहीं अर्जेंटीना के मार्टिन फेरेरो ने गोल कर स्कोर फिर बराबरी पर पहुंचा दिया।

प्रो हॉकी लीग : भारत और नीदरलैंड की महिला टीमों के बीच अब अगले माह होगा मुकाबला

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला हॉकी टीम अब अगले माह अप्रैल में एफआईएच प्रो लीग हॉकी मुकाबले में नीदरलैंड से खेलेगी। हॉकी इंडिया के अनुसार भारतीय महिला टीम भुवनेश्वर में 8 और 9 अप्रैल को एफआईएच प्रो लीग के 'डबल-हेडर' मुकाबले में ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड का सामना करेगी। पहले यह मुकाबले 19 और 20 फरवरी को होने थे पर उस समय देश में कोरोना संक्रमण के हालातों को देखते हुए नीदरलैंड ने मैचों का कार्यक्रम आगे बढ़ाने की अपील की थी जिसे हॉकी इंडिया ने मान लिया था। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष ज्ञानेंद्रो निंगोम्बाम ने कहा, 'हम नीदरलैंड की राष्ट्रीय महिला टीम का अप्रैल में भारत में स्वागत करने को लेकर उत्सुक हैं। भारतीय टीम की खिलाड़ी विश्व की नंबर एक टीम का सामना करने को लेकर उत्साहित है।' इससे पहले दोनों टीमों ही टीमों को 19 और 20 फरवरी को एक-दूसरे के खिलाफ मुकाबले खेलने थे पर गत चैंपियन नीदरलैंड ने देश में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को लेकर चिंता व्यक्त की थी जिससे इन्हें स्थगित कर दिया गया था। भारतीय टीम ने अभी एफआईएच भारतीय टीम ने अभी एफआईएच प्रो लीग में केवल 6 मैच खेले हैं। भारतीय महिला टीम ने इससे पहले नीदरलैंड से ओलंपिक खेलों में अपने ग्रुप चरण के मैच में खेला था जिसमें उसे 1-5 से हार का सामना करना पड़ा था।

वुड की जगह टाई, रिचर्डसन या अली को शामिल कर सकती है लखनऊ

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15 वें सत्र से तेज गेंदबाज मार्क वुड बाहर हो गये हैं। इससे वुड को 7.5 करोड़ में खरीदने वाली लखनऊ सुपर जायंट्स टीम को इससे करारा झटका लगा है। लखनऊ ने अभी तक वुड की जगह पर किसी अन्य खिलाड़ी को शामिल नहीं किया है। वुड की जगह लखनऊ ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज एंड्रयू टाई , पूर्व तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन या पाकिस्तानी मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज अली खान में से किसी एक को शामिल कर सकती है। एंड्रयू टाई : एंड्रयू टाई तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह शामिल किये जा सकते हैं। टाई ने 27 आईपीएल मैचों में अब तक 40 विकेट लिए हैं। उन्होंने साल 2018 में पंजाब किंग्स की ओर से खेलते हुए 14 मैचों में कुल 24 विकेट लिए थे। यह कंगारू गेंदबाज डेथ ओवर्स में प्रभावी साबित हो सकता है। केन रिचर्डसन पूर्व केन रिचर्डसन पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज केन रिचर्डसन भी आईपीएल की मेगा नीलामी में नहीं बिके थे।वुड की जगह रिचर्डसन भी सुपर जायंट्स के लिए एक अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। इस तेज गेंदबाज ने 15 आईपीएल मैचों में कुल 19 विकेट लिए हैं। वुड की जगह रिचर्डसन भी सुपर जायंट्स के लिए एक अच्छा विकल्प साबित हो सकते हैं। इस तेज गेंदबाज ने 15 आईपीएल मैचों में कुल 19 विकेट लिए हैं। रिचर्डसन के 142 टी20 मैचों में कुल 180 विकेट हैं। अली खान : पाक मूल के तेज गेंदबाज अली खान अमेरिका की ओर से खेलते हैं। वह दुनिया भर में फ्रेंचाइजी क्रिकेट खेलते हैं। इसके साथ ही दो बार की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के दल में भी रहे हैं। केकेआर ने उन्हें 2020 में अपने साथ जोड़ा था पर चोट की वजह से वह बाहर हो गए थे।

भोपाल में 5 साल बाद फिर शुरू होगा प्रतिष्ठत औबेदुल्लाह खाँ हेरिटेज कप हॉकी टूर्नामेंट

भोपाल/इन्दौर ।

भोपाल के खेल प्रेमी अगले एक सप्ताह तक देश की 12 चुनिंदा हॉकी टीमों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के साक्षी बनेंगे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया की उपस्थिति में मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम में प्रातः 11:30 बजे प्रतिष्ठित औबेदुल्लाह खाँ हेरिटेज कप हॉकी टूर्नामेंट का शुभारंभ करेंगे। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया ने बताया कि वर्ष 2016 के बाद अब दोबारा शुरू किये जा रहे इस प्रतिष्ठत टूर्नामेंट में 21 से 27 मार्च तक देश की बेहतरीन हॉकी टीमें अपना जौहर दिखायेंगी। इनमें इंडियन ऑयल, भारतीय रेलवे, पंजाब एंड सिंध बैंक, आर्मी एकादश, मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, सीएनजी, जीएसटी एंड सेंट्रल एक्साइज़ चैन्नई, पंजाब पुलिस, इंडियन नेवी, आर्मी ग्रीन, सेंट्रल सेक्रेटेरियट और मध्यप्रदेश हॉकी एसोसिएशन की टीम शामिल हो रही हैं। खेल मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया का कहना है कि देश के सबसे प्रतिष्ठित हैरिटेज हॉकी टूर्नामेंट को पुनः प्रारंभ कराना उनके लिए सुखद अनुभव है। उन्होने कहा कि कोविड-19 के कारण खेल गतिविधियाँ बुरी तरह प्रभावित हुई थीं। खिलाड़ियों को इस टूर्नामेंट के माध्यम से वापसी करने का मौका मिलेगा। वर्षों से यह टूर्नामेंट मध्यप्रदेश में सबसे लोकप्रिय टूर्नामेंट रहा है। सीमित संसाधनों और दृढ़ इच्छा शक्ति से हम इसे पुनः प्रारंभ कर पा रहे हैं। निश्चित ही इस टूर्नामेंट से देश को भविष्य के चैम्पियन खिलाड़ी मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि पहली बार वर्ष 1931 में औबेदुल्ला खॉ कप हॉकी टूर्नामेंट की शुरूआत हुई थी, तब इसका नाम अब्दुल्ला खां गोल्ड कप था। यह टूर्नामेंट अंतिम बार 2016 में औबेदुल्ला खां हैरिटेज हॉकी कप के नाम से आयोजित किया गया था, जिसमें भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की टीम चैम्पियन बनी थी। इससे पूर्व 2011 में एयर इंडिया की टीम चैम्पियन बनी। खेल मंत्री के अनुसार इस प्रतिष्ठत हॉकी टूर्नामेंट के विजेता को 11 लाख रू. की पुरस्कार राशि दी जायेगी। उप विजेता को सात लाख रूपये, तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को तीन लाख रूपये तथा चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को डेढ़ लाख रूपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। व्यक्तिगत पुरस्कार की श्रेणी में प्लेयर ऑफ़ द मैच को 5 हज़ार रूपये की राशि प्रति मैच प्रदान की जाएगी। सेमीफ़ाइनल, फाइनल एवं एक हार्ड लाइन मैच के प्लेयर ऑफ़ द मैच को 10 हज़ार रूपये प्रति मैच दिए जायेंगे। इसके अतिरिक्त प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट, बेस्ट गोलकीपर, बेस्ट डीप डिफ़ेंडर, बेस्ट मिडफ़ील्डर, बेस्ट फारवर्ड को 10 हज़ार रूपये प्रति खिलाड़ी नगद पुरस्कार दिया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण भोजन और स्थानीय यातायात की व्यवस्था करेगा।

संक्षिप्त समाचार

नई संभावनाएं देखने छोड़ी पंजाब किंग्स : राहुल

नई दिल्ली । पंजाब किंग्स के पूर्व कप्तान और सलामी बल्लेबाज लोकेश राहुल ने कहा है कि उन्होंने नई संभावनाएं तलाशने और अपनी क्षमताएं पता करने के लिए ही टीम का साथ छोड़ा है। पंजाब टीम राहुल को नये सत्र के लिए बनाये रखना चाहती थी पर इस खिलाड़ी ने मेगा नीलामी में जाने का फैसला किया। नीलामी में राहुल को नई फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपरजाइंटस ने 17 करोड़ रुपए में खरीदा है। इसके अलावा उन्हें टीम का कप्तान भी बनाया गया है। राहुल ने पंजाव का साथ छोड़ने को लेकर कहा कि वह देखना चाहते थे कि आगे क्या किया जा सकता है। राहुल ने कहा मैं पंजाब टीम के साथ चार साल से था और मैंने उनके साथ बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। मैं बस यह देखना चाहता था कि मेरे लिए आगे क्या है। यह फैसला आसान नहीं था क्योंकि मैं पिछले काफी समय से लंबे समय से पंजाब से जुड़ा हुआ था। मैं देखना चाहता था कि क्या मैं कुछ और कर सकता हूं। वहीं पंजाब किंग्स के कोच अनिल कुंबले ने बताया था कि वह राहुल को रिटेन करना चाहते थे पर राहुल ने इंकार कर दिया। वह स्वयं ही नीलामी में शामिल होना चाहते थे। इस कारण टीम ने भी उनके फैसले का सम्मान किया। पंजाब किंग्स की ओर से राहुल का प्रदर्शन शानदार रहा है। पिछले चार सत्र में उन्होंने 659, 593, 670 और 626 रन बनाए हैं। उन्होंने आईपीएल 2020 में ऑरेंज कैप भी जीती थी। अब राहुल लखनऊ सुपर जाइंट्स की ओर से भी इसी प्रकार का प्रदर्शन करना चाहेंगे। लखनऊ की टीम आईपीएल के इस 15 वें सत्र में 28 मार्च को दूसरी नई टीम गुजरात टाइटंस से खेलेगी।

राहुल को धीमी बल्लेबाजी से बचना होगा : आकाश चोपड़ा

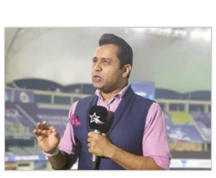

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि आईपीएल के 15 वें सत्र में नई टीम लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी करने जा रहे लोकेश राहुल को धीमी बल्लेबाजी का तरीका छोड़ना होगा। राहुल इससे पहले आईपीएल 2020 में पंजाब किंग्स के कप्तान थे पर तब वह नाकाम रहे थे। चोपड़ा का कहना है कि राहुल के लिए कप्तान के तौर पर धीमी बल्लेबाजी की आदत छोड़नी होगी। उन्होंने कहा, राहुल के पास हार्दिक पांड्या जैसी ही क्षमताएं हैं पर उनके लिए बड़ी चुनौती होगी कि वह पंजाब किंग्स के लिए धीमी गति से खेल रहे थे क्योंकि टीम ऐसी ही थी। आकाश ने साथ ही कहा कि इस बार वह कोई बहाना भी नहीं बना सकते क्योंकि प्रबंधन ने उन्हें पसंदीदा टीम दी है। इसलिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करना चाहिये। राहुल ने अब तक 94 आईपीएल मैच खेले हैं जिनमें 3273 रन बनाने में सफल रहे। इस दौरान उन्होंने 2 शतक भी लगाए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में उनका औसत 55.83 का है। आईपीएल 2020 में उन्होंने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 14 मैचों में 670 रन बनाए थे।

ब्रेथवेट की शानदार बल्लेबाजी से वेस्टइंडीज हार से बची , दूसरा टेस्ट ड्रॉ

ब्रिजटाउन ।

कप्तान क्रेग ब्रेथवेट की शानदार बल्लेबाजी से यहां मेजबान वेस्टइंडीज टीम इंग्लैंड के खिलाफ हुए दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में सफल रही है। पहली पारी में 160 रन बनाने वाले ब्रेथवेट ने दूसरी पारी में भी नाबाद अर्धशतक लगाकर अपनी टीम की हार को टाल दिया। इस मैच में इंग्लैड ने वेस्टइंडीज को जीत के लिए 282 रनों का लक्ष्य रखा था। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान इंडीज टीम अपनी दूसरी पारी में 5 विकेट पर 135 रन ही बना पायीं। अंतिम दिन मेजबान टीम पर हार का खतरा बढ़ता जा रहा था पर दूसरी पारी में लगभग 4 घंटे क्रीज पर रहकर ब्रेथवेट ने अपनी टीम को हार से बचा लिया। ब्रेथवेट ने कुल 16 घंटे क्रीज पर रहकर 673 गेंदों का सामना किया। इस दौरान ब्रेथवेट ने पूर्व ब्रायन लारा का 18 साल पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। लारा ने अपनी 400 रन की रिकॉर्ड पारी में 582 गेंदों का सामना किया था। लारा ने यह रिकॉर्ड साल 2004 में बनाया रिकॉर्ड तोड़ा था। . मेजबान टीम ने 39 रन पर ही अपने तीन विकेट खो दिये थे पर इसके बाद ब्रेथवेट ने संयम से खेलते हुए मैच को ड्रॉ कराने में सफलता हासिल की। ब्रेथवेट ने 184 गेंदों पर नाबाद 56 रन बनाए। उन्होंने जर्मेन ब्लैकवुड के साथ चौथे विकेट के लिए 50 रनों की साझेदारी बनायी। इसके बाद पांचवें विकेट के लिए जोशुआ डि सिल्वा के साथ नाबाद 42 रन भी बनाये।

वहीं डिसिल्वा 63 गेंदों पर 30 रन बनाकर आउट नहीं हुए। ब्लैकवुड 84 गेंदों पर 27 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इससे पहले इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी 9 विकेट पर 507 रन पर घोषित की थी जबकि वेस्टइंडीज टीम अपनी पहली पारी में 411 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से दूसरी पारी में जैक लीच और साकिब महमूद ने 2-2 विकेट लिए।

फिटनेस पर उठ रहे सवालों पर आंद्रे रसेल बोले- आलोचकों को प्रदर्शन से दूंगा जवाब

खेल डैस्क । कोलकाता नाइट राइडर्स की नजरें इस बार ऑलराऊंडर प्लेयर आंद्रे रसेल पर सबसे ज्यादा होंगी। कोलकाता ने आंद्रे रसेल को उनके दमदार प्रदर्शन के चलते रिटेन किया था। हालांकि पिछले कुछेक सीजन से वह अपनी फिटनेस को लेकर आलोचनाओं का सामना करते रहे लेकिन अब आगामी सीजन से पहले विंडीज धाकड़ प्लेयर ने हुंकार भरते हुए कहा है कि वह अपने प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब देंगे। आंद्रे रसेल ने अपने तीन दिनों के क्वारंटीन के बाद केकेआर के पहले ट्रेनिंग सेशन में हिस्सा लिया। आईपीएल 2022 का पहला मुकाबला 26 मार्च को चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेला जाना है। दोनों टीमें आईपीएल 2021 के फाइनल में आमने-सामने थीं, जिसमें चेन्नई सुपर किंग्स को जीत हासिल हुई थी। कोलकाता नाइट राइडर्स 7वीं बार आईपीएल सीजन का शुरुआती मैच खेलने को तैयार है। बहरहाल, अपनी परफॉर्मेंस पर बात करते हुए आंद्रे रसेल ने कहा- टीम में वापसी कर मुझे अच्छा लग रहा है। मेरे दिल के ऊपर लगे इस बैज से मैं काफी गौरवान्वित महसूस करता हूं। पिछले कुछ सीजन से कई तरह की बातें कही गईं। मेरे बारे में काफी कुछ कहा गया लेकिन उन्हें चुप करने के लिए मैं परफॉर्म करूंगा। मैं बल्ले, गेंद और फील्डिंग में अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करूंगा। केकेआर ने मेरे ऊपर भरोसा जताया है और टीम को जिताने के लिए मैं पूरी कोशिश करूंगा। आंद्रे रसेल, वरुण चक्रवर्ती, वेंकटेश अय्यर, सुनील नरेन, श्रेयस अय्यर, पैट कमिंस, नितीश राणा, शिवम मावी, शेल्डन जैक्सन, अजिंक्य रहाणे, आंद्रे रसेल, वरुण चक्रवर्ती, वेंकटेश अय्यर, सुनील नरेन, श्रेयस अय्यर, पैट कमिंस, नितीश राणा, शिवम मावी, शेल्डन जैक्सन, अजिंक्य रहाणे, रिंकू सिंह, अनुकुल रॉय, रसिख डार, चमिका करुणारत्ने, बाबा इंद्रजीत, अशोक शर्मा, प्रथम सिंह, अभिजीत तोमर, सैम बिलिंग्स, एलेक्स हेल्स, रमेश कुमार, मोहम्मद नबी, अमन खान, उमेश यादव।

हैदराबाद एफसी आईएसएल की नई चैंपियन बनी

मडगांव । हैदराबाद एफसी ने केरल ब्लास्टर्स को शूटआउट में हराकर इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल खिताब पहली बार जीता है। हैदराबाद ने पैनाल्टी शूटआउट में 3-1 से जीत दर्ज की। हैदराबाद ने पहली बार आईएसएल खिताब अपने नाम किया है। इस जीत में गोलकीपर लक्ष्मीकांत कट्टिमणि की अहम भूमिका रही। इस मैच में तय समय तक कोई टीम गोल नहीं कर पायी। अतिरिक्त समय तक भी स्कोर 1-1 से बराबरी पर रहा। इस कारण पेनल्टी शूटआउट में मुकाबला पहुंचा जिसमें हैदराबाद ने 3-1 से जीत हासिल की। हैदराबाद की ओर से जोआओ विक्टर, खासा कमारा और हलीचरण नारजारी ने गोल किये जबकि केरल की ओर से एकमात्र गोल आयुष अधिकारी ने दागा। कट्टिमणि ने 3 गोल बचाकर हैदराबाद की जीत में अहम भूमिका निभाई। यह तीसरी बार है जब केरल को फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस मुकाबले में पहला गोल 68वें मिनट में केरल की ओर से केपी राहुल ने किया और अपनी टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। मुकाबले के अंतिम मिनटों में हैदराबाद की ओर से साहिल तवोरा ने 88वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद अतिरिक्त समय में भी दोनों में कोई टीम गोल नहीं कर पायीं ।

सीएसके के पास अनुभवी ओर युवा खिलाड़ियों की अच्छी टीम : फ्लेमिंग

सूरत ।

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि उनकी टीम के पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा संयोजन है। फ्लेमिंग के अनुसार टीम के पास अच्छी प्रतिभाएं हैं। कुछ मुख्य खिलाड़ियों के नहीं होने के बाद भी नीलामी के बाद उन्हें अच्छी टीम मिली है। फ्लेमिंग ने कहा, 'हम खुश हैं कि नीलामी योजना के अनुसार हुई। हमने कुछ खिलाड़ियों को खोया है हालांकि हमने कुछ अच्छी प्रतिभाएं भी हासिल की है। इस साल हमें युवाओं के साथ ही अनुभवी खिलाड़ियों के होने से संतुलन मिलेगा। सीएसके का आईपीएल में पहला मुकाबला 26 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा। फ्लेमिंग ने टीम में अपने देश के तीन खिलाड़ियों डेवोन कॉनवे, मिचेल सेंटनर और एडम मिल्न को लेकर ,' ये सभी बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। कॉनवे का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले कुछ साल में अच्छा प्रदर्शन रहा है। मिचेल सेंटनर हमारे लिए एक अच्छे खिलाड़ी रहे हैं और मिल्न से हमें थोड़ी गति मिली है, इसलिए उन तीनों के पास बहुत अच्छी साख और अच्छा कौशल है जो हमारे लिए लाभदायक रहेगा। गौरतलब है कि सीएसके ने फरवरी में हुई दो दिवसीय मेगा नीलामी में 45.05 करोड़ रुपए खर्च कर 21 खिलाड़ियों को खरीदा था। वहीं कॉनवे को एक करोड़, सेंटनर को 1.9 करोड़ और मिल्न को 1.9 करोड़ रुपए देकर खरीदा गया था। वहीं कॉनवे को एक करोड़, सेंटनर को 1.9 करोड़ और मिल्न को 1.9 करोड़ रुपए देकर खरीदा गया था। आईपीएल के लिए टीम ने अपना प्रशिक्षण शिविर सूरत में लगाया है। इसको लेकर फ्लेमिंग ने कहा कि मुंबई में सभी टीमें वहां अभ्यास कर रही हैं, इसलिए हमने सूरत में अभ्यास शिविर लगाया क्योंकि वह मैदान आसानी से उपलब्ध था। लाल मिट्टी और जलवायु के लिहाज से यहां भी वैसी ही स्थिति है, जैसी मुंबई में है।

आईपीएल में भुवनेश्वर ने जीती है दो बार पर्पल कैप

नई दिल्ली । आईपीएल में सबसे अब तक सबसे ज्यादा दो बार पर्पल कैप जीतने का रिकार्ड तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार के नाम है। भुवनेश्वर ने साल 2016 और 2017 में लगातार दो बार यह उपलब्धि हासिल की थी। भुवनेश्वर ने साल 2016 में पहली बार लीग के 9वें सत्र में कुल 23 विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल किया था। इसी साल उनकी टीम सनराइजर्स हैदराबाद ने पहली बार आईपीएल खिताब हासिल किया था। आईपीएल के 9वें सत्र की तरह ही भुवी ने दसवें सत्र में भी टूर्नामेंट में कुल 26 विकेट लिए। भुवी ने लगातार दूसरी बार पर्पल कैप जीती। इसी के साथ ही वह लगातार दो सत्र में पर्पल कैप जीतने वाले पहले गेंदबाज बने थे। आईपीएल के 10वें सत्र में सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ तक पहुंची थी। वहीं हैदराबाद ने इस बार आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी में भुवी को रिलीज कर दिया था और फिर नीलामी के दौरान 4.2 करोड़ रुपये में उन्हें फिर से शामिल किया गया। भुवनेश्वर इससे पहले साल 2009 से साल 2010 तक रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) का हिस्सा थे हालांकि 2 सत्र के दौरान उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। इसके बाद साल 2011 में पुणे वॉरियर्स ने उन्हें खरीदा और 2011 में डेब्यू सत्र में भुवी ने 4 मैच में 3 विकेट लिए। अगले सत्र में उन्होंने 11 मैच में 8 विकेट लिए।

विश्व जल दिवस

आओ बचाएं पानी

जल ही जीवन है. जल के बिना जीवन की कल्पना अधूरी है. हम सब जानते हैं हमारे लिए जल कितना महत्वपूर्ण है. लेकिन यह सब बातें हम तब भूल जाते हैं जब अपनी टंकी के सामने मुंह धोते हुए पानी को बर्बाद करते रहते हैं और तब जब हम कई लीटर मूल्यवान पानी अपनी कीमती कार को नहलाने में बर्बाद कर देते हैं. किताबी दुनिया और किताबी ज्ञान को हममें से बहुत कम ही असल जिंदगी में उतार पाते हैं और इसी का नतीजा है कि आज भारत और विश्व के सामने पीने के पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है. धरातल पर तीन चौथाई पानी होने के बाद भी पीने योग्य पानी एक सीमित मात्रा में ही है. उस सीमित मात्रा के पानी का इंसान ने अंधाधुध दोहन किया है. नदी, तालाबों और झरनों को पहले ही हम कैमिकल की भेंट चढ़ा चुके हैं, जो बचा खुचा है उसे अब हम अपनी अमानत समझ कर अंधाधुंध खर्च कर रहे हैं. और लोगों को पानी खर्च करने में कोई हर्ज भी नहीं क्यूंकि अगर घर के नल में पानी नहीं आता तो वह पानी का टैंकर मंगवा लेते हैं. सीधी सी बात है पानी की कीमत को आज भी आदमी नहीं समझ पाया है क्यूंकि सबको लगता है आज अगर यह नहीं है तो कल तो मिल ही जाएगा.पर हालात हर जगह एक जैसे कहां होते हैं? अगर हम भारत की बात करें तो देखेंगे कि एक तरफ दिल्ली, मुंबई जैसे महानगर हैं जहां पानी की किल्लत तो है पर फिर भी यहां पानी की समस्या विकराल रुप में नहीं है. यहां पानी के लिए जिंदगी दांव पर नहीं लगती पर देश के कुछ ऐसे राज्य भी हैं जहां आज तक जिंदगियां पानी की वजह से दम तोड़ती नजर आती हैं. राजस्थान, जैसलमेर और अन्य रेगिस्तानी इलाकों में पानी आदमी की जान से भी ज्यादा कीमती है. पीने का पानी इन इलाकों में बड़ी कठिनाई से मिलता है. कई कई किलोमीटर चल कर इन प्रदेशों की महिलाएं पीने का पानी लाती हैं. इनकी जिंदगी का एक अहम समय पानी की जद्दोजहद में ही बीत जाता है.

बूंद-बूंद कीमती

रियो डि जेनेरियो में 1992 में आयोजित पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (**NCED**) विश्व जल दिवस की पहल में की गई। 22 मार्च याने विश्व जल दिवस। पानी बचाने के संकल्प का दिन। पानी के महत्व को जानने का दिन और पानी के संरक्षण के विषय में समय रहते सचेत होने का दिन। आँकड़े बताते हैं कि विश्व के 1.5 अरब लोगों को पीने का शुद्ध पानी नही मिल रहा है। प्रकृति जीवनदायी संपदा जल हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है, हम भी इस चक्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। चक्र को गतिमान रखना हमारी ज़िम्मेदारी है, चक्र के थमने का अर्थ है, हमारे जीवन का थम जाना। प्रकृति के ख़ज़ाने से हम जितना पानी लेते हैं, उसे वापस भी हमें ही लौटाना है। हम स्वयं पानी का निर्माण नहीं कर सकते अत: प्राकृतिक संसाधनों को दूषित न होने दें और पानी को व्यर्थ न गँवाएँ यह प्रण लेना आज के दिन बहुत आवश्यक है।

पानी की इसी जंग को खत्म करने और इसके प्रभाव को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने 1992 के अपने अधिवेशन में 22 मार्च को विश्व जल दिवस के रुप में मनाने का निश्चय किया जिस पर सर्वप्रथम 1993 को पहली बार 22 मार्च के दिन पूरे विश्व में जल दिवस के मौके पर जल के संरक्षण और रखरखाव पर जागरुकता फैलाने का कार्य किया गया. इस वर्ष के विश्व जल दिवस का विषय 卐शहरों के लिए पानी卐 – शहरीकरण की प्रमुख भावी चुनौतियों को उजागर करता है. शहरीकरण के कारण अधिक सक्षम जल प्रबंधन और बढ़िया पेय जल और सैनिटेशन की जरूरत पड़ती है. लेकिन शहरों के सामने यह एक गंभीर समस्या है. शहरों की बढ़ती आबादी और पानी की बढ़ती मांग से कई दिक्कतें खड़ी हो गई हैं. जिन लोगों के पास पानी की समस्या से निपटने के लिए कारगर उपाय नहीं है उनके लिए मुसीबतें हर समय मुंह खोले खड़ी हैं. कभी बीमारियों का संकट तो कभी जल का अकाल, एक शहरी को आने वाले समय में ऐसी तमाम समस्याओं से रुबरु होना पड़ सकता है. ऐसा नहीं है कि पानी की समस्या से हम जीत नहीं सकते. अगर सही ढ़ंग से पानी का सरंक्षण किया जाए और जितना हो सके पानी को बर्बाद करने से रोका जाए तो इस समस्या का समाधान बेहद आसान हो जाएगा. लेकिन इसके लिए जरुरत है जागरुकता की. एक ऐसी जागरुकता की जिसमें छोटे से छोटे बच्चे से लेकर बड़े बूढ़े भी पानी को बचाना अपना धर्म समझें. आप पानी को बचाने के लिए कौन से कदम उठाते हैं? आपका एक छोटा सा प्रयास कईयों की प्यास बुझा सकता है, तो लिखिए अपने टिप्स, सलाह और कार्य जिनसे आपको लगता है पानी बचाया जा सकता है.

पानी पानी रे

पानी के बारे में एक नहीं, कई चौंकाने वाले तथ्य हैं। विश्व में और विशेष रुप से भारत में पानी किस प्रकार नष्ट होता है इस विषय में जो तथ्य सामने आए हैं उस पर जागरूकता से ध्यान देकर हम पानी के अपव्यय को रोक सकते हैं। अनेक तथ्य ऐसे हैं जो हमें आने वाले ख़तरे से तो सावधान करते ही हैं, दूसरों से प्रेरणा लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और पानी के महत्व व इसके अनजाने स्रोतों की जानकारी भी देते हैं।

- मुंबई में रोज़ वाहन धोने में ही 50 लाख लीटर पानी खर्च हो जाता है।
- दिल्ली, मुंबई और चेन्नई जैसे महानगरों में पाइप लाइनों के वॉल्व की खराबी के कारण रोज़ 17 से 44 प्रतिशत पानी बेकार बह जाता है।
- इज़राइल में औसतन मात्र 10 सेंटी मीटर वर्षा होती है, इस वर्षा से वह इतना अनाज पैदा कर लेता है कि वह उसका निर्यात कर सकता है। दूसरी ओर भारत में औसतन 50 सेंटी मीटर से भी अधिक वर्षा होने के बावजूद अनाज की कमी बनी रहती है।
- पिछले 50 वर्षों में पानी के लिए 37 भीषण हत्याकांड हुए हैं।
- भारतीय नारी पीने के पानी के लिए रोज ही औसतन चार मील पैदल चलती है।
- पानीजन्य रोगों से विश्व में हर वर्ष 22 लाख लोगों की मौत हो जाती है।
- हमारी पृथ्वी पर एक अरब 40 घन किलो लीटर पानी है। इसमें से 97.5 प्रतिशत पानी समुद्र में है, जो खारा है, शेष 1.5 प्रतिशत पानी बर्फ़ के रूप में ध्रुव प्रदेशों में है। इसमें से बचा एक प्रतिशत पानी नदी, सरोवर, कुओं, झरनों और झीलों में है जो पीने के लायक है। इस एक प्रतिशत पानी का 60 वाँ हिस्सा खेती और उद्योग कारखानों में खपत होता है। बाकी का 40 वाँ हिस्सा हम पीने, भोजन बनाने, नहाने, कपड़े धोने एवं साफ़-सफ़ाई में खर्च करते हैं।
- यदि ब्रश करते समय नल खुला रह गया है, तो पाँच मिनट में करीब 25 से 30 लीटर पानी बरबाद होता है।
- बाथ टब में नहाते समय 300 से 500 लीटर पानी खर्च होता है, जबकि सामान्य रूप से नहाने में 100 से 150 पानी लीटर खर्च होता है।
- विश्व में प्रति 10 व्यक्तियों में से 2 व्यक्तियों को पीने का शुद्ध पानी नहीं मिल पाता है।
- प्रति वर्ष 3 अरब लीटर बोतल पैक पानी मनुष्य द्वारा पीने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।
- नदियाँ पानी का सबसे बड़ा स्रोत हैं। जहाँ एक ओर नदियों में बढ़ते प्रदूषण रोकने के लिए विशेषज्ञ उपाय खोज रहे हैं वहीं कल कारखानों से बहते हुए रसायन उन्हें भारी मात्रा में दूषित कर रहे हैं। ऐसी अवस्था में जब तक कानून में सख़्ती नहीं बरती जाती, अधिक से अधिक लोगों को दूषित पानी पीने का समय आ सकता है।
- पृथ्वी पर पैदा होने वाली सभी वनस्पतियाँ से हमें पानी मिलता है।
- आलू में और अनन्नास में 80 प्रतिशत और टमाटर में 15 प्रतिशत पानी है।
- पीने के लिए मानव को प्रतिदिन 3 लीटर और पशुओं को 50 लीटर पानी चाहिए।
- 1 लीटर गाय का दूध प्राप्त करने के लिए 800 लीटर पानी खर्च करना पड़ता है, एक किलो गेहूँ उगाने के लिए 1 हजार लीटर और एक किलो चावल उगाने के लिए 4 हजार लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इस प्रकार भारत में 83 प्रतिशत पानी खेती और सिंचाई के लिए उपयोग किया जाता है।

हम सब संकल्प लें............

नमस्कार प्यारे बच्चो,

क्या आपको पता है कि हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाया जाता है इसको मनाने का उद्देश्य यही है कि हम पानी की संभाल करें, यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है पानी हमारे जीवन की पहली प्राथमिकता है, इसके बिना तो जीवन संभव ही नहीं क्या आपने कभी सोचा कि धरती पर पानी जिस तरह से लगातार गंदा हो रहा है और कम हो रहा है , अगर यही क्रम लगातार चलता रहा तो क्या हमारा जीवन सुरक्षित रहेगा कितनी सारी आपदाओं का सामना करना पड़ेगा और सबकी जिन्दगी खतरे में पड़ जाएगी इस लिए हम सबको अभी से इन सब बातों को ध्यान में रख कर पानी की संभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी उठानी चाहिए यह दिवस तो 22 मार्च को मनाया जाता है और वैसे भी पानी की आवश्यकता तो हमें हर पल होती है फिर केवल एक दिन ही क्यों, हमें तो हर समय जीवनदायी पानी की संभाल के लिए उपाय करते रहना चाहिए, यह दिन तो बस हमें हमारी जिम्मेदारी का अहसास कराने के लिए मनाए जाते हैं

तो चलो हम सब संकल्प लें कि हर समय अपनी जिम्मेदारी को निभाएंगे इस तरह हम बहुत सारे जीवों का जीवन बचाने में अपना सहयोग दे सकते हैं

मै आपको एक कहानी सुनाती हूँ, कि पानी को गंदा करने से या गंदा पानी पीने से क्या नुक्सान होता है.....

कहानी
अमृत का घोल

नदी किनारे था इक गाँव
घनी वहां पेडों की छाँव
मस्त-मस्त जब चले हवाएं
चारों ओर खुशबू फैलाएं
गाँव के बाहर बड़ा सा तल
भरा वहां वर्षा का जल
सब मिल उसकी करें संभाल
लगाया तल के ऊपर जाल
ताकि गंदा न हो तल
स्वच्छ रहे तालाब का जल
गर्मी की ऋतु जब भी आए
नदी में पानी कम हो जाए
तो फिर मिलकर सारे लोग
करें तल का पानी प्रयोग
गर्मी के दिन यूँ बिताएं
इतने में वर्षा ऋतु आए
छा जाए फिर से हरियाली
भर जाए फिर से तल खाली
पर इक था लड़का शैतान
जल मूल्य से था अनजान
इक दिन सूझी उसे शैतानी
क्यों न गंदा करे वो पानी
काटा उसने जाल को जाकर
फेंका कचरा जल में लाकर
खुले ताल पर पनपे मच्छर
बन गया बीमारी का घर
मरने लगे उसमें जल जन्तु
कोई भी यह न समझा परन्तु
क्योंकि तब जाड़े का मौसम
नदिया में पानी था हरदम
लड़के ने कर ली शैतानी
हो गया सारा गंदा पानी
कुछ दिन बाद वो शहर को आया
प्यास ने उसको खूब सताया
देखा एक गली में नल
पड़ा था पास खुला ही जल
वही जल पीकर प्यास बुझाई
पानी के साथ बीमारी आई
बुरा हो गया उसका हाल
पहुँच गया वो अस्पताल
मुश्किल से ही बची थी जान
आया फिर यह उसे ध्यान
गंदा किया है उसने तल
पिएंगे जो बाकी वह जल
होंगे वो भी सब बीमार
होगा यह तो अत्याचार
उलटे पाँव ही गाँव को आया
आकर उसने सबको बुलाया
सबके सामने गलती मानी
की थी जो उसने नादानी
सबने उसकी सुनी कहानी
बाहर निकाला तल का पानी
फिर से उसमे भरा स्वच्छ जल
अब न गंदा करेगा तल
बच तो गई थी सबकी जान
पर बच्चो यह रहे ध्यान
न करना ऐसी नादानी
कभी न गंदा करना पानी
पानी तो अमृत का घोल
हर बूँद इसकी अनमोल
पानी से मिलती जिंदगानी
व्यर्थ गंवाओ कभी न पानी

जल जंगल और जीवन

जल और जंगल के बीच एक प्राकृतिक रिश्ता है। जल है तो जंगल है और जंगल है तो जल है। इन दोनों प्राकृतिक संसाधनों का सीधा नाता मानव अस्तित्व से जुड़ा है। धरती का फेफड़ा कहलाने वाले पेड़ों का हमारे जीवन में सर्वत्र महत्व है, लेकिन सबसे बड़ा लाभ इनके द्वारा प्राणवायु ऑक्सीजन का उत्सर्जन और वायुमंडल को दूषित करने वाली एवं ग्लोबल वार्मिंग की जिम्मेदार गैस कार्बनडाई आक्साइड का अवशोषण करना है। अगर पेड़ नहीं होंगे तो ऑक्सीजन की कमी से हमारी सांसें घुट जाएंगी। इसी तरह अनमोल जल की भी महत्ता सर्वविदित है। प्यास लगने के बाद कोई भी तरल पदार्थ जल का विकल्प नहीं बन सकता है। तमाम वैज्ञानिक उपलब्धियों के बावजूद भी इसे कृत्रिम ढंग से अभी तक नहीं बनाया जा सका है। कुदरती जल ही हमें और हमारी सभ्यता को अभी तक बनाए रखे है। इसके अलावा भी जल हमारे जीवन के हर क्षेत्र के लिए बहुपयोगी है। अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर अपने जीवनदायी इन प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए ऐसे आयोजनों की जरूरत क्यों पड़ी? दरअसल धरती पर मौजूद मानव और प्राकृतिक संसाधनों के बीच काफी अर्से तक संतुलन कायम रहा। सह अस्तित्व की सांस्कृतिक विरासत के बूते हम एक दूसरे को लंबे अर्से तक लाभान्वित करते रहे। बदलते समय के साथ हमारा लालच बढ़ता गया। आर्थिक विकास की प्रतिद्वंद्विता के साथ-साथ हमारी आबादी भी बढ़ी। लिहाजा पहले जहां हम इन संसाधनों का उपभोग भर करते थे, अब दोहन करने लगे। लंबे समय तक चली इस प्रक्रिया के बीच हमें इन संसाधनों के रखरखाव और संरक्षण का ध्यान ही नहीं रहा। न ही हमने कभी इन्हें रिचार्ज करने की कोशिश की। हम पेयजल, कृषि, उद्योगों और अन्य जरूरतों के लिए धरती की कोख को सूखी करते गए। जमीन के अधिकाधिक इस्तेमाल के लिए वनों एवं पेड़ों की कटाई की तनिक परवाह नहीं की। नतीजा सामने आ रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का संकट गहराने लगा है। पेयजल संकट से दुनिया का एक बड़ा हिस्सा जूझ रहा है। वानिकी को नष्ट करने से हर साल बाढ़, सूखा, भूस्खलन और सबसे बड़ी ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्या सामने खड़ी है।

प्राकृतिक संसाधनों की कमी से खड़ी होने वाली समस्याएं जब सामने आईं तो हमें समझ में आया। अब तक बहुत देर हो चुकी थी। फिर भी वैश्विक स्तर पर कुछ संस्थाओं ने इन संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ऐसे दिवसों को मनाना शुरू किया। हर साल मनाए जाने वाले ये दिवस अब जैसे परंपरागत होते जा रहे हैं। कुछ सरकारी संस्थाएं और समाजसेवी संगठन इन दिवसों पर थोड़ा सक्रिय जरूर हो जाते हैं लेकिन आम जनमानस जिसे इन प्राकृतिक संसाधनों की कमी का सर्वाधिक कष्ट उठाना पड़ता है, वह इन आयोजन के लक्ष्यों से जैसे विरक्त रहता है। ऐसे नहीं चलेगा। अपनी आगामी पीढ़ियों के लिए अगर पानी और ऑक्सीजन बचाए रखना है तो इन संसाधनों को हमें आज से ही बचाना होगा। देर अभी भी नहीं हुई है। सह अस्तित्व के संस्कृति को जीने की। तो आइए, अब यह बड़ा मुद्दा है कि हम बिना किसी तरफ देखे खुद अपने इन बहुमूल्य प्राकृतिक संसाधनों को बचाने का आज ही संकल्प लें। धरती का तीन चौथाई हिस्सा जलाच्छादित है, लेकिन इसमें पीने योग्य स्वच्छ जल की हिस्सेदारी अंशमात्र ही है। धरती पर मौजूद जल की कुल मात्रा 1.4 अरब घन किमी है। इस पानी से पूरी पृथ्वी को तीन किमी चौड़ी पानी की परत से ढका जा सकता है।

यहां मौजूद कुल पानी का करीब 95 फीसद महासागरों में मौजूद है जो लवणीय होने के कारण पीने या अन्य उपयोग लायक नहीं है। चार फीसद पानी ध्रुवों पर मौजूद बर्फ में जमा है। शेष एक फीसदी हिस्से के तहत भूगर्भ में जमा पानी समेत जल चक्र में मौजूद कुल स्वच्छ जल की मात्रा आती है। कुल जल की 0.1 फीसद मात्रा स्वच्छ जल के रूप में नदियों, झीलों और पानी की धाराओं में विद्यमान है

जल ही जीवन है!

जल जीवन का है आधार,

जल जीवन का है आधार,
इसी से चलता है संसार,
ऑक्सीजन और हाईड्रोजन का,
इसमें संचित भण्डार.
जल प्रकृति का उपहार,
इससे धरती का श्रृंगार,
जीव जंतु व पशु पक्षी,
ये सबका ही है पालनहार.
जल विधि के विधान का अश्त्र ,
इसकी कमी से दुनिया त्रस्त,
जल की कमी सभी को खलती,
सृष्टि इस से फूलती फलती.

जल का सदुपयोग

जल का सदुपयोग करो,
जरा न दुरूपयोग करो.
जल से सबकी बुझती प्यास,
जल है अब कम अपने पास.
सूखे हैं झील और तालाब,
खपत का भी बढा दबाब.
जहाँ रुकेगा गन्दा जल,
जन्मेंगे मच्छर हर पल.
जब तक न हो जाये बरसात,
जल बचत की ही हो बात.
आपस में सहकार हो,
तब ही गर्मी पार हो.

जल ही तो जीवन है

जल ही तो जीवन है
पानी है गुनों की खान
पानी ही तो सब कुछ है
पानी है धरती की शान
पर्यावरण को न बचाया गया
तो वो दिन जल्दी ही आएगा
जब धरती पे हर इंसान
बस 'पानी पानी' चिल्लाएगा
रुपये पैसे धन दौलत
कुछ भी काम न आएगा
यदि इंसान इसी तरह
धरती को नोच के खाएगा
आने वाली पुश्तों का
कुछ तो हम करें ख़्याल
पानी के बगैर भविष्य
भला कैसे होगा खुशहाल
बच्चे, बूढे और जवान
पानी बचाएँ बने महान
अब तो जाग जाओ इंसान
पानी में बसते हैं प्राण.

पानी से है धरती महान

पानी तो अनमोल है
उसको बचा के रखिये
बर्बाद मत कीजिये इसे
जीने का सलीका सीखिए
पानी को तरसते हैं
धरती पे काफी लोग यहाँ
पानी ही तो दौलत है
पानी सा धन भला कहां
पानी की है मात्रा सीमित
पीने का पानी और सीमित
तो पानी को बचाइए
इसी में है समृधी निहित
शेविंग या कार की धुलाई
या जब करते हो स्नान
पानी की जरूर बचत करें

पानी की है कमी इस कदर

पानी की है कमी इस कदर,
सुख गयी हैं झीलें,
दरक गयी उपजाऊ भूमि,
ताल रहे न गिले.
नदियों, कुओं, तालाबों से,
रूठ गया है पानी,
कहते हैं कुछ समझदार,
ये है अपनी नादानी.
पर्यावरण बिगाड़ा हमने,
हरे पेड़ काटे हैं,
पंछी का दाना छिना है,
दु:ख सबको बांटें हैं.
अभी वक्त है, वर्षा के,
जल को चलो सहेजें,
खेतों में लहरायें फसलें,
इतना पानी भेजें.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूक्रेन पर परमाणु हमले की तैयारी, पुतिन ने परिवार को खुफिया शहर में छिपाया

मास्को ।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध 26 वें दिन में प्रवेश कर गया है। यूक्रेन के कई शहरों में भीषण लड़ाई जारी है। रूस ने यूक्रेन के शहर मारियुपोल को चारों तरफ से घेर रखा है और लगातार हमले किए जा रहे हैं। इसी बीच अंदरूनी सूत्रों ने दावा किया है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने एक न्यूक्लियर वॉर इवैक्युएशन ड्रिल अभ्यास करने की तैयारी कर रहे हैं। जिसके लिए उन्होंने अपने परिवार को एक खुफिया अंडरग्राउंड शहर में छुपा दिया है। खबर के मुताबिक पुतिन कई गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं और यह भी दावा किया था कि यूक्रेन युद्ध में रूसी सैनिकों की मौतों का आंकड़ा कीव के अनुमान 17000 मोतों से कहीं ज्यादा है। सूत्र ने एक टेलीग्राम चैनल के हवाले से बताया कि पुतिन इन दिनों उदास और अकेला महसूस कर रहे हैं। वह कई बार वह अपना गुस्सा अपने करीबी लोगों पर उतार रहे हैं। इस समय पुतिन किसी से भी खुलकर बातचीत नहीं करते हैं।

वह अपनी बेटियों के साथ भी बेहद सीमित संपर्क में हैं। पुतिन ने हाल ही में परमाणु अभ्यास की बात कहकर अपने टॉप जनरलों को चौंका दिया था। इससे रूस यूक्रेन के बीच परमाणु टकराव का खतरा बढ़ गया है। खबर के मुताबिक एक रूसी विशेषज्ञ ने इससे पहले दावा किया था कि पुतिन ने अपने परिवार को संभावित परमाणु युद्ध से बचाने के लिए एक विशालकाय अंडरग्राउंड शहर में छिपा दिया है। शनिवार को रूस ने यूक्रेन के खिलाफ अपनी महा विनाशक किंझल हाइपरसोनिक मिसाइल का उपयोग किया और यूक्रेन के एक सैन्य अड्डे को उड़ा दिया।

अविश्वास प्रस्ताव से पहले रैलियां कर जनसमर्थन जुटाने में लगे पाक पीएम इमरान

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की कुर्सी पर संकट मंडराया तो उन्हें हिंदुस्तान की याद आई है। अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा और मतदान से पहले इमरान खान इन दिनों रैलियां कर जनसमर्थन जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। रैलियों में वह भारत की खुलकर तारीफ कर रहे हैं। रविवार को ऐसी ही एक रैली में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति की सराहना करते हुए कहा कि इंडिया ने यूक्रेन पर हमले की वजह से रूस पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद मॉस्को से कच्चे तेल का आयात किया। भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के कड़े आलोचक रहे इमरान ने भारतीय विदेश नीति की खुलकर सराहना की। खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत में एक रैली को संबोधित करते हुए इमरान ने कहा वह पड़ोसी देश भारत की सराहना करेंगे, क्योंकि उसके पास अपनी एक स्वतंत्र विदेश नीति रही है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत क्वाड समूह का हिस्सा है और उसने अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद रूस से कच्चे तेल आयात किया। बता दें कि भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया क्वाड समूह के सदस्य देश हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर 24 फरवरी को रूस द्वारा यूक्रेन के खिलाफ कार्रवाई के जवाब में अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी देशों ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। इमरान ने अपने संबोधन के दौरान यह भी कहा कि उनकी विदेश नीति भी पाकिस्तानी जनता के हित में रहेगी। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तानी संसद में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने से पहले इमरान खान जनसमर्थन हासिल करने के लिए रैली कर रहे हैं।

इमरान खान ने कहा मैं किसी के सामने नहीं झुका और अपने देश को भी किसी के आगे झुकने नहीं दूंगा। लेकिन इस परंपरा को तोड़ते हुए इमरान ने उल्लेख किया कि उन्होंने यूरोपीय संघ के राजदूतों को साफ तौर पर न कह दिया है ।

हम बातचीत को तैयार, युद्ध रोकने के लिए सकारात्मक पहल करें पुतिन : जेलेंस्की

कीव ।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि वह अपने रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमिर पुतिन को सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ना होगा। उन्होंने आगाह किया कि उनकी एक कूटनीतिक विफलता तीसरे विश्वयुद्ध की वजह बन सकती है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी मौजूदा संघर्ष तीसरे विश्वयुद्ध का आगाज हो सकता है ज़ेलेंस्की ने कहा कि मैं पुतिन के साथ बातचीत के लिए तैयार हूं। मैं पिछले दो साल से तैयार था और मुझे लगता है कि बातचीत के बिना, हम इस युद्ध को समाप्त नहीं कर सकते। अगर इस युद्ध को रोकने के लिए हमारे पास सिर्फ एक फीसदी मौका है, तो मुझे लगता है कि हमें यह मौके का फायदा उठाने की जरूरत है। हमें ऐसे प्रयास करने चाहिए ताकि युद्धरोका जा सके। ज़ेलेंस्की ने रूसी हमले की अब तक की मानवीय लागत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम निर्दोष लोगों को जमीन पर दैनिक आधार पर खो रहे हैं, रूसी सेनाएं हमें खत्म करने, हमें मारने आई हैं। हमने अपने लोगों और सेना की गरिमा का प्रदर्शन किया है कि हम एक शक्तिशाली देश का सामना करने में सक्षम हैं, हम वापस हमला करने में सक्षम हैं, लेकिन दुर्भाग्य से, हमारी गरिमा जीवन की रक्षा करने वाली नहीं है। लेकिन दुर्भाग्य से, हमारी गरिमा जीवन की रक्षा करने वाली नहीं है। ज़ेलेंस्की ने कहा मुझे लगता है कि हमें वार्ता की संभावना, पुतिन से बात करने की संभावना के लिए किसी भी प्रारूप, किसी भी मौके का उपयोग करना होगा। लेकिन अगर ये प्रयास विफल हो जाते हैं, तो इसका मतलब यह होगा कि यह तीसरा विश्व युद्ध है।

ओआईसी की बैठक में शामिल होंगे चीनी विदेशमंत्री, इस्लामोफोबिया पर होगी चर्चा

इस्लामाबाद ।

इस्लामाबाद में आयोजित होने वाले ऑर्गनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन (ओआईसी) के सम्मेलन में चीनी विदेश मंत्री भी शिरकत करने वाले हैं। इस सम्मेलन में संगठन के सदस्य देशों के विदेश मंत्री हिस्सा लेने वाले हैं। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि 22 और 23 मार्च को ओआईसी विदेश मंत्रियों की परिषद की बैठक होगी। बयान में कहा गया कि ओआईसी सदस्य देशों के विदेश मंत्री और हाई लेवल अधिकारी सीएफएम में भाग लेने वाले हैं। इसमें चीनी विदेश मंत्री भी शामिल होने वाले हैं। इसके बाद 23 मार्च को पाकिस्तान दिवस के मौके पर वह परेड भी देखने वाले हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के मुताबिक पाकिस्तान दिवस पर चीनी विदेश मंत्री वांग यी मुख्य अतिथि हैं। बता दें कि हाल ही में ओआईसी ने ऑल पार्टीज हुर्रियत कॉन्फ्रेंस के चेयरमैन को इस विदेश मंत्री स्तर की बैठक में आमंत्रित किया था। भारत ने इसकी निंदा की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा था, अगर हुर्रियत पार्टी के नेता सम्मेलन में हिस्सा लेते हैं,तब भारत कड़ा एक्शन लेगा। भारत ने

कहा, ओआईसी से ऐसी उम्मीद नहीं थी कि संगठन उन लोगों को बढ़ावा देगा जो आतंकवाद को सहयोग करते हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक इस बैठक में फिलस्तीन, इस्लामोफोबिया और जलवायु परिवर्तन को लेकर चर्चा होगी। वैक्सीन असमानता जैसे मुद्दों पर भी बैठक में चर्चा होगी।

भारतीय अर्थशास्त्री जयंती घोष संयुक्त राष्ट्र के उच्च स्तरीय सलाहकार बोर्ड में शामिल

जेनेवा । भारतीय विकास अर्थशास्त्री जयंती घोष को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने प्रभावी बहुपक्षवाद पर एक नए उच्च स्तरीय सलाहकार बोर्ड में नियुक्त किया है। घोष (66) यूनिवर्सिटी ऑफ मैसाच्युसेट्स आम्हर्स्ट में प्रोफेसर हैं। वह पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज में आर्थिक अध्ययन और योजना केंद्र की अध्यक्ष और अर्थशास्त्र की प्रोफेसर रह चुकी हैं। वह अर्थव्यवस्था और सामाजिक मामलों पर संयुक्त राष्ट्र के उच्च स्तरीय सलाहकार बोर्ड की भी सदस्य हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने गत शुक्रवार को प्रभावी बहुपक्षवाद पर सलाहकार बोर्ड की स्थापना की घोषणा की थी, जिसकी सह-अध्यक्षता लाइबेरिया की पूर्व राष्ट्रपति और नोबेल पुरस्कार से सम्मानित एलेन जॉनसन सरलीफ और स्वीडन के पूर्व प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन करेंगे। घोष को 12 सदस्यीय बोर्ड में नामित किया गया है, जिसके काम में महासचिव के शासकीय कार्यालय के करीबी समन्वय के साथ संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के नीति अनुसंधान केंद्र द्वारा सहयोग दिया जाएगा। में दुनिया में सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव को सिफारिशें देने वाले उच्च स्तरीय सलाहकार बोर्ड में शामिल किया था।

रुस और यूक्रेन जंग में एविएशन सेक्टर रुस को हो रहा फायदा

मास्को ।

यूक्रेन पर रूस को हमला किए 26 दिन हो चुके हैं, लेकिन अभी भी जल्द शांति बहाल होने की उम्मीद नहीं दिख रही है। हमले के बाद अमेरिका की अगुवाई में पश्चिमी देशों ने रूस के ऊपर कई कड़े प्रतिबंध लगाए हैं। कई मल्टीनेशनल कंपनियां रूस में कारोबार समेट चुकी हैं, कई देश अपना आसमान रूस के विमानों के लिए बंद कर चुके हैं। रूस की अर्थव्यवस्था पर इसका काफी बुरा असर हो रहा है, लेकिन कई मोर्चे पर रुस को फायदा हुआ है। वहीं अमेरिका व ब्रिटेन जैसे देशों को भारी-भरकम नुकसान उठाना पड़ा है।एविएशन सेक्टर भी इन मोर्चों में से एक है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने हाल ही में एक इस तरह के प्रस्ताव को मंजूरी दी है, जिससे पश्चिमी कंपनियों को काफी नुकसान होगा है। प्रस्ताव में कहा गया है कि रूस उन कंपनियों की संपत्तियां जब्त कर नेशनलाइज कर दे, जो वहां से कारोबार समेट कर जा रही हैं। रुसी एयरलाइन कंपनियों के पास 500 से ज्यादा इसतरह के विमान हैं, जो किसी विदेशी कंपनी के हैं, लीज पर ऑपरेट हो रहे हैं। विमान लीज पर देने वाली इन कंपनियों के सामने 12 से 15 बिलियन डॉलर तक के नुकसान का खतरा है। विमान लीज पर देने वाली सबसे बड़ी कंपनी को सबसे ज्यादा नुकसान होने वाला है। कंपनी के 1000 से ज्यादा विमान करीब 80 देशों में लीज पर चल रहे हैं। इनमें से करीब 150 विमान रूस में हैं।आंकड़ों के अनुसार, कंपनी को अकेले 2.5 बिलियन डॉलर का नुकसान होने वाला है। यूरोपीय यूनियन के बैन के बाद एयरकैप रूसी कंपनियों के साथ कांट्रैक्ट समाप्त करने का ऐलान पहले ही कर चुकी हैं। इसी तरह आयरलैंड की एक अन्य कंपनी के भी कई विमान रूस में लीज पर हैं। आंकड़ों के अनुसार, रूस में अभी 980 एयरक्राफ्ट सर्विस में हैं। इनमें से 777 विमान लीज पर हैं, और 515 इसतरह के विमान विदेशी कंपनियों के हैं।इसमें सिंगापुर की कंपनी और आयरलैंड की एक अन्य कंपनी ऐवलोन के करीब 20-20 विमान रूस में हैं। इन कंपनियों को न सिर्फ लीज समाप्त होने के चलते नियमित आय का नुकसान होगा, बल्कि विमान नहीं लौटाने पर संपत्ति का भी नुकसान होगा। रूस और यूक्रेन की लड़ाई से एविएशन सेक्टर पर व्यापक असर पड़ा है। रूस को अलग-थलग करने के लिए कई देश उसके विमानों के लिए अपना आसमान बंद कर चुके हैं। इसके उत्तर में रूस भी अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की एयरलाइंस के लिए अपना हवाई मार्ग बंद कर चुका है।

आचार संहिता लागू होने से ओटीटी क्षेत्र में अनुशासन आया : सहाय

दुबई ।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव विक्रम सहाय ने कहा कि समाचार प्रकाशकों, ओवर-द-टॉप (ओटीटी) प्लेटफॉर्म और डिजिटल मीडिया के लिए आचार संहिता ने इस क्षेत्र में बहुत अनुशासन लाने में मदद की है। एक्सपो-2020 दुबई के दौरान भारत दीर्घा में समाचार प्रसारण पर एक गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करते हुए सहाय ने कहा भारत में ओटीटी प्लेटफॉर्म शुरू करने के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा भारत में करीब 40-50 ओटीटी प्लेटफॉर्म हैं, उनमें से किसी को भी पंजीकरण कराने या पूर्व अनुमति लेने की जरूरत नहीं हुई। वे सभी अपने कारोबारी मॉडल और योजनाओं के आधार पर अपने तरीके से आगे बढ़े हैं। सहाय ने कहा कि न केवल नेटफ्लिक्स और अमेजन जैसे अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म बल्कि घरेलू स्तर पर बहुत सारे ओटीटी चैनल सामने आए हैं, जिनमें क्षेत्रीय भाषाओं के चैनल भी शामिल हैं। केवल दिखाई जाने वाली सामग्री पर हमारे पास एक आचार संहिता है जिसे हमने एक साल पहले तैयार किया है। पिछले साल, भारत सरकार ने कहा था कि समाचार प्रकाशकों, ओटीटी प्लेटफॉर्म और डिजिटल मीडिया के लिए आचार संहिता और त्रिस्तरीय शिकायत निवारण तंत्र लागू किया जाएगा। ऐसे मंच के लिए एक 'सॉफ्ट टच' नियामकीय ढांचा स्थापित करने पर जोर देते हुए सरकार ने कहा था कि ओटीटी प्लेटफॉर्म (जैसे नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम वीडियो) को दिखाई जाने वाली सामग्री को आयु आधारित पांच श्रेणियों- यू (यूनिवर्सल), यू/ए 7प्लस वर्ष, यू/ए 13 प्लस, यू/ए 16 प्लस, और ए(वयस्क) में खुद से वर्गीकृत करना होगा। उन्होंने कहा संहिता ने पूरे ओटीटी क्षेत्र में बहुत अधिक आत्म-अनुशासन लाया है। कुल मिलाकर, वे इसके बारे में काफी खुश हैं। संयुक्त सचिव ने कहा कि बहुत से देश भारत के नियामक ढांचे को समझने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे इस क्षेत्र के लिए अपने यहां संहिता बना सकें। उन्होंने कहा पिछले साल फरवरी में हम डिजिटल समाचार प्रकाशन और ओटीटी सामग्री के लिए नियम लाए थे। नवंबर में बांग्लादेश ने अपना मसौदा ओटीटी नियमों को जारी किया, जो 98 प्रतिशत भारतीय संहिता पर आधारित था। यह कुछ ऐसा है, जिसका अन्य देश अनुकरण करना चाहेंगे। दूरदर्शन के महानिदेशक मयंक कुमार अग्रवाल ने कहा कि टीवी चैनल विश्वसनीय और प्रामाणिक समाचारों का प्रतीक था।

विदेशी मुद्रा संकट के बीच श्रीलंका में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारें, लाइन में लगे दो बुजुर्गों ने तोड़ा दम

कोलंबो । श्रीलंका में पेट्रोल पंपों के बाहर लंबी कतारों में अपनी बारी की बाट जोहते हुए 70 साल के दो बुजुर्गों की मौत हो गई है। श्रीलंका इन दिनों ईंधन की भारी किल्लत से जूझ रहा है और उसके सामने विदेशी मुद्रा भंडार का ऐतिहासिक संकट खड़ा हो गया है। कोलंबो पुलिस ने कहा मध्य कांडी जिले एवं कोलंबो के उपनगरीय क्षेत्र में शनिवार को करीब 70 साल उम्र के दो वृद्धों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार दोनों करीब छह घंटों से अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। माना जाता है कि भयंकर गर्मी उनकी मौत की प्राथमिक वजह है। अधिकारियों ने कहा कि सरकार राहत के लिए भारतीय ईंधन पर भरोसा कर रही है। सरकारी सीलोन पेट्रोलियम कोरपोरेशन के अध्यक्ष सुमित विजेसिंघे ने कहा भारतीय क्रेडिट लाइन से हमें पेट्रोल, डीजल एवं जेट ईंधन जैसे उत्पाद मिलते हैं। उन्होंने कहा हमें (इस महीने की) 13वीं एवं 14वीं तारीख को जेट ईंधन मिला है। हमारे पास एक अन्य डीजल जहाज आया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि लोग ईंधन की कमी के चलते उसे जमा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संकट से पहले डीजल की दैनिक मांग 5500 मीट्रिक टन और पेट्रोल की मांग 3300 मीट्रिक टन थी लेकिन अत्यधिक खरीद की वजह से यह क्रमशः 7000-8000 मीट्रिक टन एवं 4200 मीट्रिक टन तक पहुंच गई है। बीते दिनों श्रीलंका के मुख्य विपक्षी दल ने दावा किया कि देश में वर्तमान विदेशी मुद्रा संकट एवं संबंधित आर्थिक समस्याओं का निकट भविष्य में अंत नहीं होगा। मुख्य विपक्षी दल समागी जन बालावेगाया के आर्थिक मामलों के प्रवक्ता हर्ष डिसिल्वा ने कहा ऐसा नजर आता है कि संकट अभी लंबा खिंचेगा।

रूस को लेकर अभी और कड़े प्रतिबंधों को लागू करेगा अमेरिका

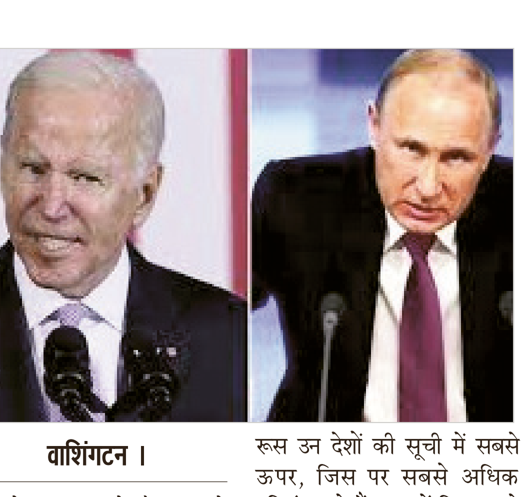

वाशिंगटन ।

यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस उन देशों की सूची में सबसे ऊपर, जिस पर सबसे अधिक प्रतिबंध लगे हैं। बता दें कि रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी को हमला किया था। तब से ही लगातार इन प्रतिबंधों को कड़ा किया गया है। इसकी वजह से उसकी परेशानी भी बढ़ गई है। उसकी ये परेशानी अब और बढ़ने वाली है। ऐसा इसलिए, क्योंकि अमेरिका उस पर प्रतिबंधों को अधिक कड़ा करने को मन बना चुका है। अमेरिका के डिप्टी नेशनल सिक्योरिटी एडवाइजर फार इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स दलीप सिंह का कहना है कि फिलहाल आने वाले कुछ समय में ये प्रतिबंध नहीं हटने वाले हैं। उनका कहना है कि अमेरिका आने वाले दिनों में रूस के खिलाफ और अधिक प्रतिबंध लगाएगा। इनमें से कुछ को वहां लगा चुका है, वहीं कुछ उसकी सूची में अभी बाकी हैं। बातचीत के दौरान दलीप सिंह ने उन सेक्टर के बारे में भी बताया, जिन पर अभी प्रतिबंधों को और अधिक कड़ा करना है।

आने वाले समय में अमेरिका रूस के बैंकिंग सेक्टर पर और अधिक शिकंजा कसेगा। इसके अलावा तेल और गैस को भी इसी दायरे में रखा जाना है। तेल और गैस सेक्टर पर आने वाले दिनों में प्रतिबंधों को और अधिक कड़ा किया जाएगा। इसके अलावा दूसरे सेक्टरों पर भी अभी शिकंजा कसा जाना है। हालांकि, उन्होंने अन्य सेक्टरों का खुलासा करने से साफ इनकार कर दिया। उन्होंने इतना जरूर कहा कि इन सेक्टरों के बारे में रूस के राष्ट्रपति पुतिन भलीभांति जानते हैं। ये पूछने पर कि इन प्रतिबंधों को हटाने के लिए रूस को क्या करना चाहिए। सिंह ने कहा कि फिलहाल ये संभव नहीं है। ये पूछने पर कि इन प्रतिबंधों को हटाने के लिए रूस को क्या करना चाहिए। सिंह ने कहा कि फिलहाल ये संभव नहीं है। इस बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि सबसे पहले रूस को यूक्रेन पर हमलों को बंद करना होगा। रूस की सेना यूक्रेन में आम लोगों को निशाना बना रही है। ये नहीं होना चाहिए।

सिंह ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद रूस की अर्थव्यवस्था पहले के मुकाबले आधी हो गई है। उन्होंने कहा कि रूस पर प्रतिबंध लगाकर अमेरिका को बिल्कुल भी अच्छा नहीं लगता है, क्योंकि इसका असर रूस की जनता पर सीधेतौर पर पड़ता है। लेकिन ये लड़ाई पुतिन ने शुरू की है इसलिए ये उनकी लड़ाई है और प्रतिबंध भी उनके ही हैं। उन्होंने खुद इसमें वहां के लोगों को शामिल किया है।

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन के पूर्वी शहर सूमी के रासायनिक संयंत्र में अमोनिया का रिसाव रुका

ल्वीव । आपात अधिकारियों ने पूर्वी यूक्रेन के पूर्वी शहर सूमी में एक रासायनिक संयंत्र से हुए अमोनिया गैस के रिसाव पर काबू पा लिया है। सूमी के क्षेत्रीय गवर्नर दमित्रो ज्यिवित्स्की ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, ज्यिवित्स्की ने यह नहीं बताया कि रिसाव किस कारण से शुरू हुआ, जिसके चलते सुमीखिमप्रोम संयंत्र के ढाई किलोमीटर के दायरे में चारों तरफ जहरीली अमोनिया गैस फैल गई थी। सुमीखिमप्रोम संयंत्र सूमी के पूर्वी बाहरी इलाके में स्थित है, जिसकी आबादी 2.63 लाख के करीब है और जहां हाल के हफ्तों में रूसी सैनिकों द्वारा नियमित रूप से गोलाबारी की जा रही है।

कोरोना के बीच बेहतर कार्य करने पर मालिक ने हर कर्मचारी को एक लाख की राशि के उपहारों से नवाजा

कनाडा । वैश्विक महामारी के दुरूह दौर में भी बेहतर काम करने पर एक कंपनी के मालिक ने अपने सभी कर्मचारियों को एक लाख तक का कीमती उपहार भेंट किया। वहीं अपने बॉस से महंगा गिफ्ट पाकर कर्मचारियों ने उन्हें दुनिया का सबसे बेस्ट बॉस बताया है। बता दें कि यह मामला कनाडा का है। जहां बॉस ने अपने स्टाफ को सरप्राइज गिफ्ट दिए। इस शख्स का नाम डॉक्टर यूसुफ चाबान है जो कनाडा में रहने वाले डेंटिस्ट है। चाबान ने हाल ही में अपने यहां काम करने वाले सभी कर्मचारियों को लग्जरी कंपनी का जो बैग गिफ्ट किया है, जिसकी कीमत एक लाख रुपये से भी ज्यादा है। रिपोर्ट के अनुसार, डॉक्टर चाबान की शहर में ऑक्सफोर्ड डेंटल नाम की एक क्लिनिक है। इसी क्लिनिक के कर्मचारियों को उन्होंने कोरोना काल में अच्छा काम करने के लिए बेहद कीमती बैग गिफ्ट किया है। डॉक्टर चाबान अपने हाथों में बैग्स कर्मचारी को गिफ्ट किए। वीडियो में बताया गया है कि उन्होंने अपने कर्मचारियों को लग्जरी बैग गिफ्ट में दिए हैं, जिसकी कीमत एक हजार पाउंड से भी अधिक है। कर्मचारियों के प्रति मालिक की दरियादिली की सोशल मीडिया पर जमकर प्रशंसा हो रही है।

कीव पर की बमबारी, हमले में 6 लोगों की मौत

कीव । रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध का 26वां दिन है। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर ने कहा है, कि वे रूस के साथ बातचीत और समझौते के लिए तैयार हैं। साथ ही उन्होंने चेतावनी देकर कहा कि अगर रूस के साथ बातचीत विफल होती है,तब तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है। वहीं, यूक्रेन में मारे गए भारतीय छात्र नवीन शेखरप्पा का पार्थिव शरीर बेंगलुरू पहुंच गया है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने हवाईअड्डे पहुंचकर पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम बसवराज बोम्मई ने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे बच्चे (नवीन शेखरप्पा) की यूक्रेन में जान चली गई। नवीन का पार्थिव शरीर यूक्रेन से लाना बहुत मुश्किल था। ये बहुत साहस की बात है। हमारे प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री और सरकार ने ये करके दिखाया। मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूं।

जहर देकर हत्या की आशंका में पुतिन ने एक हजार कर्मचारियों को बर्खास्त किया, गुप्त स्थान पर भेजा अपना परिवार

मास्को । यूक्रेन पर हमले के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता में पड़ गए हैं। खबरों के मुताबिक संभावित परमाणु हमले के डर से अपने परिवार को एक रहस्यमय अंडरग्राउंड शहर में छिपा चुके हैं। पुतिन का खौफ इतना बढ़ गया है कि उन्होंने अपने पर्सनल स्टाफ के 1000 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया है, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे जहर देकर उनकी हत्या कर सकते हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया है कि पुतिन ने डर के मारे अपने सैकड़ों पर्सनल स्टाफ को बदल दिया है। इसमें पुतिन के कुक, सचिव, लॉन्ड्री वर्कर्स और बॉडीगार्ड्स शामिल हैं। पिछले 26 दिनों से रूस-यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध छिड़ा हुआ है और अभी तक यूक्रेनी राजधानी कीव जेलेंस्की सरकार के नियंत्रण में है। अब तक पांच रूसी जनरल और हजारों की संख्या में सैनिकों की मौत हो चुकी है। एक फ्रांसीसी एजेंट ने दावा किया है कि क्रेमलिन के भीतरी लोग तख्तापलट कर पुतिन को सत्ता से बेदखल कर सकते हैं। इसका एक तरीका रूसी राष्ट्रपति की हत्या भी हो सकता है। खबर के मुताबिक रूस की वरिष्ठ राजनीतिक हस्तियों ने सार्वजनिक रूप से पुतिन के करीबी लोगों को उनकी हत्या करने के लिए उकसाया है। लिहाजा पुतिन का डर निराधार नहीं है। दक्षिण कैरोलिना के सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने ट्वीट कर पुतिन की हत्या का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था इन सब को खत्म करने का एकमात्र तरीका यही है कि कोई इस शख्स (पुतिन) को निकाल बाहर करे। यह आप अपने देश के लिए करेंगे, दुनिया के लिए करेंगे। फ्रांसीसी खुफिया अधिकारी ने दावा किया कि अगर पुतिन की हत्या की जाती है तो जहर इसका एक संभावित तरीका हो सकता है। रूसी सरकार को अपने दुश्मनों के खिलाफ जहर का इस्तेमाल करने के लिए जाना जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाक अधिकृत कश्मीर को आजाद कराने के लिए केंद्र सरकार कृतसंकल्प : जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री कार्यालय के राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कठुआ में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि मोदी सरकार ने अपने पिछले दो कार्यकाल में कई ऐसे बड़े कदम उठाएं हैं, जो सालों से विवादों में थे। मोदी सरकार ने अपनी सूझबूझ से इन राजनीतिक मुद्दों को हमेशा के लिए सुलझा दिया है। इन मुद्दों पर सालों तक राजनीति होती रही और राजनीतिक पार्टियों ने इसको ढाल बनाकर खूब चुनाव प्रचार किया। चाहे वह 30 सालों से उलझा राम मंदिर का मुद्दा हो या फिर कश्मीर में लगी धारा 370, सरकार ने कुछ ऐतिहासिक कदम उठाए और विवाद को खत्म किया। आज जम्मू कश्मीर के हालात काफी अच्छे हो गए हैं, वहीं राम मंदिर का मुद्दा सलझने से लोग इतने खुश है कि योगी सरकार को प्रचंड बहुमत से एक बार फिर से राज्य में लेकर आ गए हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में 5 राज्यों में से 4 राज्यों में भाजपा को बहुमत मिला है। जो यह दर्शाता है कि मोदी सरकार पर लोग विश्वास करते हैं। अब पीओके को लेकर मोदी सरकार के मंत्री ने जो बात कहीं हैं, वह भारतीयों को गर्व से भर देगी। प्रधानमंत्री कार्यालय के राज्य मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारतीय क्षेत्र में फिर एकीकृत करने के अपने लक्ष्य के प्रति दृढ़ है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के कठुआ में महाराजा गुलाब सिंह की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद यह टिप्पणी की।

उन्होंने कहा 1994 में प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव के नेतृत्व में भारतीय संसद द्वारा एक प्रस्ताव पारित किया गया था कि भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद की एकमात्र वजह पीओके है।

राज्यसभा मे उठा मार्च माह से गर्मी का प्रकोप शुरू होने का मुद्दा

नई दिल्ली ।

राज्यसभा में सोमवार को सदस्यों ने मार्च महीने से ही गर्मी का प्रकोप शुरू होने, कोविड-19 रोधी टीकों की एहतियाती खुराक को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश न होने और ऑनलाइन खेलों के बढ़ते प्रचलन पर चिंता जताई और सरकार से इन विषयों को लेकर आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया। शून्यकाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विकास महात्मे ने भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) द्वारा कुछ राज्यों में लू को लेकर जारी की गई चेतावनी का उल्लेख करते हुए कहा मार्च के महीने में ही लोग प्रचंड गर्मी का प्रकोप झेल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इससे गरीब और किसान सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा सिर्फ चेतावनी जारी करना ही काफी नहीं है। सरकार को चाहिए कि वह राज्यों को एक दिशा-निर्देश जारी करे कि उन्हें बचाव के क्या-क्या उपाय करने चाहिए। सरकार को सभी राज्यों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया भी जारी करनी चाहिए। सभापमि एम वेंकैया नायडू ने भी मौसम में अचानक से आए इस बदलाव पर चिंता जताई और कहा कि यह एक गंभीर मामला है। उन्होंने कहा मार्च में इतनी गर्मी है तो आगे क्या होगा? उन्होंने राज्यसभा में भाजपा के उपनेता मुख्तार अब्बास नकवी से कहा कि सरकार को इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने चाहिए। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की वंदना चव्हाण ने भी मौसम के इस रुख पर चिंता जताई। शिव सेना की प्रियंका चतुर्वेदी ने 60 साल से कम उम्र के लोगों के लिए कोविड-19 रोधी टीकों की एहतियाती खुराक लेने को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं होने पर चिंता जताई और कहा कि सरकार ने इस बारे में अभी तक कोई नीति निर्धारित नहीं की है। उन्होंने कहा इसके अभाव में विदेश जाने भारतीयों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कई यूरोपीय देशों में संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं और ऐसे में भारत में बूस्टर खुराक को लेकर एक नीति होनी चाहिए। चतुर्वेदी ने कहा कि देश में हमने वह दौर भी देखा है, जब टीकों की कमी थी और लोग समय पर टीका नहीं लगा पा रहे थे। उन्होंने कहा अब तक टीके भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं लेकिन इसके बावजूद 60 वर्ष से नीचे के लोगों को एहतियाती खुराम देने के लिए कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं है। स्वास्थ्य मंत्री को एक स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करना चाहिए, ताकि 60 वर्ष के कम उम्र के लोगों को बूस्टर खुराक लग सके। द्रविड़ मुनेत्र कणगम (द्रमुक) के तिरुची शिवा ने विशेष उल्लेख के माध्यम से बच्चों व युवाओं में ऑनलाइन गेम्स के बढ़ते प्रचलन का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बच्चों व युवाओं में तेजी से यह लत बढ़ रही है और इस खेल में पैसे गंवाने के बाद आत्महत्या करने के मामले भी सामने आए हैं।

बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पर मिले चीनी ड्रोन की जांच कर रही बीएसएफ

नई दिल्ली । सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा कि वह इस बात की जांच कर रहा है कि पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा पर एक खेत में मिले चीनी ड्रोन का इस्तेमाल ट्रांस-के लिए किया जा रहा था या नहीं। बीएसएफ के साउथ बंगाल फंट्रियर कमांड के अधिकारियों ने बताया कि बीएसएफ सीमा चौकी कल्याणी से सटे गांव पुरबापारा के किसान को भारत-बांग्लादेश सीमा के पास एक खेत में चीन निर्मित एक टूटा हुआ ड्रोन मिला, जिसके बाद बीएसएफ सुरक्षा गढ़ा गया है। अधिकारियों ने कहा कि ड्रोन को किसान ने 19 मार्च की शुरुआत में अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सिर्फ 300 मीटर दूर एक खेत में पाया था। उन्होंने कहा कि किसान ने टूटे हुए ड्रोन को उठाकर स्थानीय पुलिस थाने के अधिकारियों को सौंप दिया। ड्रोन के बरामद होने की सूचना के बाद, कल्याणी चौकी से बीएसएफ की टीम सबूत खोजने के लिए मौके का दौरा किया, लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला और मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। दक्षिण बंगाल फंटियर के बीएसएफ अधिकारियों ने कहा कि कल्याणी चौकी के अधिकारियों ने ड्रोन के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए आसपास के गांवों में भी पूछताछ की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत की पश्चिमी सीमा पर तैनात बीएसएफ और अन्य जैसी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां, हथियार, गोला-बारूद और ड्रग्स ले जाने या निगरानी करने वाले ड्रोन के उभरते खतरे से जूझ रही हैं।

यूक्रेन में हो रही जनहानि के लिए रूस जवाबदेह : स्कॉट मॉरीसन

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भारत के अपने समकक्ष नरेंद्र मोदी के साथ वर्चुअल शिखर वार्ता में सोमवार को कहा रूस के यूक्रेन में 'भयानक' आक्रमण करने के बाद युद्धग्रस्त देश में हुई जनहानि के लिए रूस को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। मॉरिसन ने यूक्रेन संकट पर क्वाड देशों के नेताओं की हाल में हुई बैठक का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इससे हिंद प्रशांत क्षेत्र के लिए मौजूदा घटनाक्रम के असर और परिणामों पर चर्चा करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि हम यूरोप में भयानक स्थिति से व्यथित हैं, हालांकि हमारा ध्यान हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर अधिक केंद्रित है। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में विविध क्षेत्रों में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच संबंधों में काफी प्रगति देखी गई है। उन्होंने कहा कि वृहद आर्थिक सहयोग समझौते के लिए वार्ता के नतीजे पर पहुंचना आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिहाज से बेहद अहम होगा। उन्होंने कहा कि हमारी भागीदारी मुक्त, खुले और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाती है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खनिज, जल प्रबंधन और अक्षय ऊर्जा के अहम क्षेत्रों में तीव्र गति से सहयोग बढ़ रहा है।

सेंट्रल स्कूल में सांसदों का कोटा खत्म करने के मुद्दे पर सभी दलों से चर्चा कर निर्णय लेगी सरकार

नई दिल्ली ।

लोकसभा में सोमवार को सेंट्रल स्कूलों में जनप्रतिनिधियों के कोटे को लेकर बात उठी। कई सदस्यों ने केंद्रीय विद्यालयों में प्रवेश के संबंध में प्रत्येक सांसद को दिये गए 10 सीटों के कोटे का विषय उठाया और कुछ सांसदों ने मांग की कि कोटे की संख्या को बढ़ाया जाए अन्यथा इसे पूरी तरह समाप्त कर दिया जाए। प्रत्येक सांसद को उसके निर्वाचन क्षेत्र में स्थित केंद्रीय विद्यालय में प्रवेश के लिए 10 सीटों का कोटा मिलता है जिसमें उसकी सिफारिश पर क्षेत्र के किसी विद्यार्थी का इन विद्यालय में दाखिल हो सकता है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि इस विषय पर सभी दलों के नेताओं से मंत्री बात करेंगे और फिर कोई अंतिम निर्णय किया जायेगा। निचले सदन में प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस के मनीष तिवारी, के सुरेश, तृणमूल कांग्रेस की महुआ मोइत्रा सहित कुछ अन्य सदस्यों ने इस विषय को उठाया। इस पर शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कहा कि वह समझते हैं कि इस विषय को लेकर जन प्रतिनिधियों पर दबाव है, लेकिन यह कोई अधिकार का विषय नहीं है। उन्होंने कहा कि कभी यह (कोटा) दो सीट का था ।

जो बाद में पांच सीट का हुआ और अब 10 है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मूल रूप से राज्यों का विषय है । उन्होंने कहा कि केंद्रीय क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों की दृष्टि से प्रारंभ में केंद्रीय विद्यालय खोलने की बात आई क्योंकि उन कर्मचारियों का तबादला होता रहता है। प्रधान ने कहा कि धीरे धीरे इनका विस्तार हुआ और पिछले 50-60 साल में देश में केंद्रीय विद्यालय और जवाहर नवोदय विद्यालयों ने प्रतिष्ठा हासिल की।

ग्रामीण क्षेत्रों तथा टीयर-2 और टीयर-3 शहरों में ये अच्छा काम कर रहे हैं और इसलिये उनका आकर्षण भी है। उन्होंने कहा कि इसको लेकर जनप्रतिनिधियों पर दबाव भी है लेकिन यह समझना होगा कि जन प्रतिनिधि के रूप में सांसद चुनिंदा लोगों के लिये काम नहीं कर सकते। लिये काम नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जो बच्चे सांसदों निर्वाचन क्षेत्र में पढ़ रहे हैं, वे सामान्य वर्ग की प्रक्रिया के तहत पढ़ रहे हैं।

सिकंदर कुमार ने सीएम जयराम की मौजूदगी में राज्यसभा के लिए किया नामांकन

शिमला ।

भाजपा राज्यसभा प्रत्याशी डॉ सिकंदर कुमार ने विधानसभा में अपना नामांकन कर दिया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, विधानसभा अध्यक्ष विपिन परमार, उपाध्यक्ष हंस राज, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप विशेष रूप से उपस्थित रहे। डॉ सिकंदर कुमार विधान सभा प्रातः 10: 20 पर पहुंचे जहां उनका स्वागत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने किया, उसके बाद डॉ सिकंदर विधानसभा अध्यक्ष विपिन परमार से उनके कक्ष में मिले, जिसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर का स्वागत किया। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि राज्यसभा के चुनाव को लेकर सीट भरने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, इसी कड़ी में डॉ सिकंदर कुमार ने नामांकन किया है। उन्होंने चयन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा का आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ सिकंदर कुमार एक साधारण गरीब परिवार से हैं और संघर्ष करके इस स्थान तक पहुंचे हैं। सिकंदर कुमार अनुसूचित जाति है और उन्होंने इस वर्ग के लिए बहुत काम किया है, वह पूर्व में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके है। मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके है। मुख्यमंत्री ने सिकंदर को इस उपब्धिक के लिए सुभकामनाएं दी और कहा कि उन्होंने राज्यसभा में जाने की इच्छा नहीं जताई है, बल्कि पार्टी ने स्वयं उनका चयन किया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कश्यप ने डॉ सिकंदर कुमार को शुभकामनाएं दी।

रास- केंद्रीय मंत्री जोशी बोले- कोयले पर रॉयल्टी बढाने का कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नहीं

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद में बताया कि कोयले पर रॉयल्टी बढ़ाने का कोई प्रस्ताव उसके पास विचाराधीन नहीं है। कोयला एवं खान मंत्री प्रह्लाद जोशी ने राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सवालों के जवाब में यह जानकारी दी। कोयले पर रॉयल्टी की पिछली दर 10 मई 2012 को संशोधित की गई थी। उन्होंने कहा कि कोयले और लिग्नाइट पर रॉयल्टी दरों के संशोधन के मुद्दे पर विचार के लिए 21 जुलाई 2014 को एक अध्ययन समूह का गठन किया गया था। जोशी ने कहा कि अध्ययन समूह ने 10 मई 2012 को अधिसूचित दरों से कोयले पर रॉयल्टी की दरों में कोई बदलाव नहीं करने का सुझाव दिया था। उन्होंने कहा

कि अध्ययन समूह के सुझाव को सरकार ने स्वीकार कर लिया था। उन्होंने कहा कि रॉयल्टी की दर को 14 प्रतिशत से बढ़कार 20 प्रतिशत करने की ओडिशा राज्य की मांग पर 28 फरवरी 2020 को भुवनेश्वर में आयोजित 'ईस्टर्न जोनल काउंसिल' की बैठक के दौरान चर्चा की गई थी। लेकिन विचार-विमर्श के बाद इस मुद्दे को बंद किए जाने का निर्णय लिया गया।

धर्म व जाति के आधार पर लोगों को लड़ाते हैं सियासी दल, कांग्रेस भी इसकी अपवाद नहीं : आजाद

गुलाम नबी ने दिए राजनीति से संन्यास लेने के संकेत

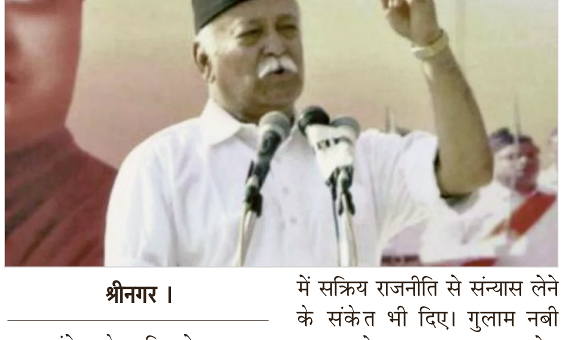

श्रीनगर ।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गुलाम नबी आजाद ने कहा कि उन्हें वास्तविक परिवर्तन लाने के लिए राजनीतिक दलों की क्षमता को लेकर गंभीर आपत्ति है। उन्होंने कहा कि इस कठिन समय में नागरिक समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने अपने संबोधन में सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने के संकेत भी दिए। गुलाम नबी आजाद ने कहा अब अक्सर मेरा मन राजनीति से संन्यास लेकर समाज सेवा में सक्रिय होने का करता है। जम्मू में एक कार्यक्रम के दौरान नागरिक समाज के सदस्यों को संबोधित करते हुए, आजाद ने कहा कि हमको समाज में एक बदलाव लाना है। कभी कभी मैं सोचता हूं और यह कोई बड़ी बात नहीं होगी कि अचानक आप लोगों को पता चले कि मैं सक्रिय राजनीति से रिटायर हो गया और समाज सेवा के कार्य में जुट गया हूं। जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता एमके भारद्वाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अपने 35 मिनट के संबोधन की शुरुआत में ही आजाद ने स्पष्ट कर दिया कि वह इस मंच पर कोई राजनीतिक चर्चा नहीं करेंगे। उन्होंने कहा भारत में राजनीति इतनी बदसूरत हो गई है कि कभी-कभी संदेह होता है कि हम इंसान हैं भी या नहीं। उन्होंने कहा हम सब अगर एक शहर को, एक प्रांत को ठीक करेंगे, तो पूरा हिंदुस्तान ठीक होगा। उन्होंने कहा कि मैं अपने आप को अपनी व्यक्तिगत क्षमता में, एक इंसान की क्षमता में उस असली काम के लिए, सेवा के लिए, इंसान के लिए, समर्पित करता हूं। जब भी आप चाहेंगे, मेरे को आप अपने साथ पाएंगे। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि राजनीतिक दल धर्म, जाति और अन्य चीजों के आधार पर लोगों के बीच 24म7 विभाजन पैदा करते हैं। मैं कांग्रेस सहित किसी भी पार्टी को माफ नहीं कर रहा। नागरिक समाज को एक साथ रहना चाहिए। जाति, धर्म को देखे बगैर सभी को न्याय दिया जाना चाहिए। महात्मा गांधी सबसे बड़े हिंदू और धर्मनिरपेक्ष थे. जम्मू-कश्मीर में जो हुआ उसके लिए पाकिस्तान और उग्रवाद जिम्मेदार हैं। इसने जम्मू-कश्मीर में हिंदुओं, कश्मीरी पंडितों, मुसलमानों, डोगराओं सहित सभी को प्रभावित किया है।

कोविड से मौत मामले पर सुप्रीम कोर्ट बोला- मुआवजे के दावे के लिए चार हफ्तों का समय नहीं पर्याप्त

नई दिल्ली । देश की सर्वोच्च अदालत ने सोमवार को कहा कि कोविड-19 के कारण हुई मौत के मामले में प्राधिकारियों से अनुग्रह राशि के भुगतान का दावा करने के लिए केंद्र द्वारा चार हफ्तों की समयसीमा देना संभवतः पर्याप्त नहीं है क्योंकि मृतक के परिवार अपने परिजन को खोने के कारण व्यथित होंगे। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्न की पीठ ने संकेत दिया कि ऐसे सभी लोगों को 60 दिन का समय दिया जाएगा जो निर्धारित तिथि पर मुआवजे के लिए आवेदन देने के पात्र हैं और भविष्य के दावाकर्ताओं को 60 दिनों का वक्त दिया जाएगा। पीठ ने कहा, 'यह (चार हफ्ते) शायद उचित समय सीमा नहीं है क्योंकि संबंधित परिवार शोकाकुल होंगे और चार हफ्ते का समय शायद सही वक्त नहीं है। अगर कोई मौत होती है तो परिवार को उस दुख से उबरने में वक्त लगेगा और फिर वह दावा जताएगा।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को कोविड-19 से मौत के लिए मुआवजे के फर्जी दावों का पता लगाना चाहिए क्योंकि उसे आपदा प्रबंधन कानून, 2005 के तहत शक्तियां दी गई हैं। फर्जी दावों के सत्यापन के लिए सर्वेक्षण के नमूने देने का अनुरोध करने वाली केंद्र की अर्जी के संबंध में पीठ ने कहा कि यह दो-तीन राज्यों पर केंद्रित हो सकता है, जहां मौत के पंजीकरण और दावों में भिन्नता है। सुनवाई की शुरुआत में केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोरोना वायरस के कारण हुई मौत पर प्राधिकारियों से मुआवजा मांगने का दावा करने के लिए चार हफ्ते की समयसीमा तय करने का सुझाव दिया। उच्चतम न्यायालय ने अपना आदेश सुरक्षित रख लिया और वह 23 मार्च को आदेश देगा। चार हफ्ते की समयसीमा तय करने का अनुरोध किया था।

संक्षिप्त समाचार

लोस- अधीर रंजन चौधरी बोले- 'दिशा' समिति की बैठकों को अनिवार्य बनाया जाए

नई दिल्ली । लोकसभा में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता अधीर रंजन चौधरी ने जिलों में सांसदों के नेतृत्व वाली 'दिशा' समिति की बैठकों को अनिवार्य बनाने की मांग करते हुए सोमवार को कहा कि जिन राज्यों में ये बैठकें नहीं होती हैं वहां विकास कार्य से संबंधित निधि रोकी जाए। चौधरी ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान जनजातीय कार्य मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछते हुए यह दावा भी किया कि पश्चिम बंगाल में पिछले कई वर्षों से 'दिशा' समिति की बैठकें नहीं हो रही हैं। उन्होंने दावा किया, 'पिछले 12-13 साल से मेरे यहां दिशा समिति की बैठक नहीं बुलाई गई है, जबकि मैं दिशा समिति का प्रमुख हूं। किसी भी मंत्रालय से जुड़े विषय पर दिशा समिति की बैठक नहीं बुलाई जाती है।' पश्चिम बंगाल के बहरामपुर से लोकसभा सदस्य चौधरी ने कहा, 'यह अनिवार्य कर दीजिए कि अगर दिशा समिति बैठक नहीं बुलाई जाती है तो फिर फंड रिलीज होना बंद कर दीजिए। हर राज्य को मजबूर किया जाए कि बैठक बुलाई जाए।'

एलआईसी आईपीओ लाने के लिए केंद्र सरकार ने सेबी के पास अद्यतन दस्तावेज जमा करवाए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के बहुप्रतीक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अद्यतन दस्तावेज जमा करवा दिए हैं, इन दस्तावेजों में दिसंबर तिमाही से जुड़ी जानकारी शामिल है। सेबी ने एलआईसी द्वारा 13 फरवरी, 2022 को दाखिल दस्तावेजों के मसौदे (डीआरएचपी) को मंजूरी दे दी थी। इनमें सितंबर तक के वित्तीय नतीजों की जानकारी थी। एक अधिकारी ने बताया, 'दिसंबर के नतीजों के साथ एलआईसी के अद्यतन दस्तावेज (डीआरएचपी) दाखिल कर दिए गए हैं।' नवीनतम जानकारी के अनुसार अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में एलआईसी को 235 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ। अप्रैल से दिसंबर 2021 के बीच शुद्ध मुनाफा बढ़कर 1,671.57 करोड़ रुपये हो गया। सरकार को एलआईसी के लगभग 31.6 करोड़ शेयरों या पांच प्रतिशत हिस्सेदारी की बिक्री के जरिए आईपीओ के माध्यम से करीब 60,000 करोड़ रुपए जुटाने की उम्मीद है।

पुनीत चटवाल भारतीय होटल संघ के फिर अध्यक्ष बने

नई दिल्ली । भारतीय होटल संघ (एचएआई) ने संस्था के शीर्ष पद पर पुनीत चटवाल को फिर से अध्यक्ष चुन लिया है। चटवाल इंडियन होटल्स कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी हैं। एचएआई ने एक बयान में कहा कि कार्यकारी समिति ने प्रबंधन समिति को दो वर्ष के एक और कार्यकाल के लिए चुनने का फैसला आम सहमति से लिया। होटल संघ की सालाना आम सभा पिछले हफ्ते हुई थी। इसके बाद, चार पदाधिकारियों के चयन के लिए कार्यकारी समिति की बैठक हुई। इनमें चटवाल के अलावा हैं उपाध्यक्ष केबी काचरू, मानद सचिव जेके मोहंती और मानद कोषाध्यक्ष पातू केसवानी।

नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए अडाणी ग्रीन एनर्जी ने 28.8 करोड़ डॉलर की राशि एकत्र की

नई दिल्ली । पॉवर सेक्टर की प्रतिष्ठित कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी ने अपनी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के निर्माण के लिए 28.8 करोड़ डॉलर (करीब 2,188 करोड़ रुपये) की राशि जुटाई है। कंपनी ने एक बयान में कहा, 'अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने कुछ अंतरराष्ट्रीय कर्जदाताओं के समूह के साथ समझौता करके अपनी निर्माणाधीन नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 28.8 करोड़ डॉलर की राशि जुटाई है और इस तरह अपने कंस्ट्रक्शन फाइनेंसिंग फ्रेमवर्क को 1.64 अरब डॉलर तक का कर लिया है।' इस राशि का इस्तेमाल राजस्थान में एजीईएल की 450 मेगावॉट क्षमता वाली सौर और पवन नवीकरणीय परियोजनाओं के लिए किया जाएगा। एजीईएल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी विनीत एस जैन ने कहा, 'एजीईएल की पूंजी प्रबंधन योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है निर्माण इकाई जो ऊर्जा उत्पादन को कार्बन मुक्त करने के हमारे उद्देश्य में मदद देती है।'

राकेश टिकैत का विमान आसमान में खाने लगा हिचकोले,लोग बोले- किसान तो गरीब होता है फ्लाइट के पैसे कहां से आए

नई दिल्ली । हवाई यात्रा का सुख तो होता है पर जब आसमान में विमान हिचकोले लेने लगे तो जान सांसत में आ जाती है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत हैदराबाद से इंडिगो एयरलाइन्स के विमान से त्रिचीपल्ली जा रहे थे। इस दौरान आसमान में उनका विमान कलाबाजियां खाने लगा। करीब आधे घंटे तक विमान आसमान में कलाबाजियां खाता रहा। राकेश टिकैत ने लापरवाही का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। राकेश टिकैत ने ट्वीट किया, हैदराबाद से त्रिचीपल्ली जा रही इंडिगो एयरलाइन न. 6ई 7213 शनिवार शाम 7:10 बजे खराब मौसम की वजह से आसमान में कलाबाजियां खाने लगी। आधा घंटे तक मेरी और मुसाफिरों की जान आफत में रही। इतनी खतरनाक उड़ान की इजाजत उचित नहीं। इसकी जांच होनी चाहिए। टिकैत के ट्वीट के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने खूब मजे लिए। एक यूजर ने लिखा कि किसान तो गरीब होता है उसके पास फ्लाइट के पैसे कहां से आए? वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा कि जानबूझकर आपकी बेहद कीमती जान को मौसम ने खतरे में डाला, पूज्य वरुण देव के खिलाफ इसकी जांच होनी चाहिए। किसी ने लिखा कि धरना दो भाई इसके खिलाफ। यह तो एकदम नया मुद्दा है। इस बार सड़क जाम करने की बजाएं आकाश मार्ग जाम करो। एक यूजर ने लिखा कि इसमें जरूर भाजपा की कोई चाल है, बीजेपी ने जानबूझ कर मौसम खराब करवाया है। एक यूजर ने लिखा कि इसमें जरूर भाजपा की कोई चाल है, बीजेपी ने जानबूझ कर मौसम खराब करवाया है। इसी तरह एक और यूजर ने लिखा कि उड़ान की इजाजत दो तो समस्या और न दो तो समस्या। लगता है भगवान को आप का किया हुआ काम पसंद नहीं आ रहा है। आत्ममंथन कीजिए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में मृत पति के पीएफ के पैसे के बदले 7,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़े गए शिक्षा समिति के सीनियर क्लर्क

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत में पीएफ के पैसे के बदले भी रिश्वत की मांग की एक घटना सामने आई है। जिसके अंतर्गत मृतक कर्मचारी के परिवार से सात हजार रुपये की मांग की गई थी। हालांकि शिकायतकर्ता ने एसीबी से संपर्क किया क्योंकि वह रुपये का भुगतान नहीं करना चाहता था। एसीबी ने आरोपी समीर भगत के खिलाफ रिश्वत का जाल बिछाकर सात हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ कर कानूनी कार्रवाई की है। सीनियर क्लर्क वर्ग -3, जी.पी.एफ विभाग, नगर प्राथमिक शिक्षा समिति के विभाग में नौकरी करते समीरभाई रुस्तंभाई भगत द्वारा सात हजार रुपये की रिश्वत मांगी गई थी। जिसके चलते एसीबी ने जाल बिछाया था। शिकायत कर्ता ने आरोपी को सात हजार रुपये नकद दिए थे। जो रुपए रिश्वतखोर क्लर्क के पास से एसीबी ने जब्त कर लिया है। रिश्वत की सारी बात कमरा नंबर 19, तीसरी मंजिल, नगर प्राथमिक शिक्षा समिति सूरत कार्यालय, कासकीवाड, पुराने बस स्टैंड, भागल, सूरत में की गई थी।

समीरभाई रुस्तंभाई भगत

शिकायतकर्ता के पति की मौत हो चुकी थी। शिकायतकर्ता ने जी.पी.एफ के पैसे प्राप्त करने के लिए आवेदन किया था। आरोपी ने इस जीपीएफ के पैसे का चेक तैयार करने के लिए शिकायतकर्ता के पास से अवैध रूप से 7,000 रुपये की रिश्वत की मांग की थी। शिकायतकर्ता ऐसी रिश्वत की राशि का भुगतान नहीं करना चाहता था इसलिए शिकायतकर्ता द्वारा एसीबी में शिकायत की गई। एसीबी ने शिकायत के आधार पर रिश्वत का जाल बिछाया। और आरोपी को रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा । फ़िलहाल एसीबी आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई की है।

सूरत में दो युवकों के कंधों पर बैठकर युवक ने दो तलवारों से काटा बर्थडे केक, बर्थडे बॉय समेत दो गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली विस्तार में एक युवक ने दो युवकों के कंधों पर बैठकर दो तलवारों से केक काटकर मनाया अपना जन्मदिन। तलवारों के साथ केक काटने का विडियो वाइरल होने के बाद पुलिस ने विडियो के आधार पर बर्थडे बॉय सहित दो लोगो को गिरफ्तार किया है । पुलिस के पास से मिली जानकारी के अनुसार डिंडोली विस्तार मे स्थित स्वस्तिकविला सोसाइटी के निवासी मयूर सुरेशभाई ठाकोर (उम्र.19) का 17 मार्च को जन्मदिन था। जन्मदिन के अवसर पर तलावर, रेम्बो और चाकू के साथ जश्न मनाया था। जन्मदिन का वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मयूर और उसके चचेरे भाई शिवसिंह ठाकोर को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से तीन तलवारें, एक रेम्बो शॉट और एक चप्पू बरामद किया गया है।

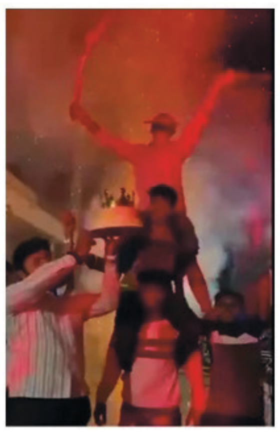

साउथ फिल्मों के अभिनेता जूनियर एनटीआर ने कहा- सरदार पटेल सिर उठाकर जीना सिखाते हैं

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नर्मदा,भारत समेत दुनियाभर में आकर्षण का केन्द्र बने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का आज आरआरआर की टीम ने दीदार किया। साउथ फिल्मों के निदेशक एसएस राजमौली, अभिनेता जूनियर एनटीआर और रामचरन सरदार पटेल की विश्व की सबसे विराट प्रतिमा देख अभिभूत हो गए। इस मौके पर जूनियर एनटीआर ने कहा कि सरदार पटेल सिर उठाकर जीना सिखाते हैं। एसएस राजामौली ने कहा कि हमारी फिल्म के जो किरदार हैं वह भी सरदार पटेल से

प्रेरित हैं। सरदार पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा देख प्रभावित हुआ हूं। उन्होंने कहा कि अगर सरदार पटेल पर फिल्म बनाने का अवसर मिलेगा तो वह अवश्यक बनाएंगे, परंतु सरदार पटेल पर फिल्म बनाना मेरे लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी। 'द कश्मीर फाइल्स' को लेकर राजमौली ने कहा कि अभी उन्होंने फिल्म देखी नहीं है, लेकिन मेरी फिल्म का प्रमोशन पूरा होने के बाद उसे जरूर देखूंगा। यह अच्छी बात है कि छोटी फिल्म सुपर हिट साबित हुई है। जूनियर एनटीआर ने कहा कि सरदार पटेल को जब कभी देखना हो तो सिर उठाकर ही देखना पड़ता है और हमने उनका दिदार सिर उठाकर ही किया है। हम कभी सिर नहीं झुकाएंगे और सिर उठाकर ही जिएंगे। सरदार पटेल सिर उठाकर ही जीना सिखाते हैं। यह हमारा भारत देश जिस पर हमें गर्व करना चाहिए। सरदार पटेल जैसे लोह पुरुष ने भारत को एक कर हमे जीवन जीने की आजादी दी है। उन्होंने कहा कि केवडिया आकर उनकी एनर्जी बढ़ गई है। रामचरन ने कहा कि जब हमने सरदार पटेल की प्रतिमा देखी तो उसके दिदार के लिए हमे सिर उठाना पड़ा। सरदार पटेल का व्यक्तित्व ही इतना दमदार था। उन्होंने कहा कि यूक्रेन में शूटिंग के दौरान रस्टी नामक उनका बोडीगार्ड था, जिसने युद्ध के बाद फोन कर मुझसे मदद मांगी थी। रामचरन ने बताया कि मैंने मदद की है, लेकिन वह बहुत बड़ी मदद नहीं है। मुझे अभी और उसकी मदद करने की जरूरत है। रामचरन ने बताया कि हमने 15 दिन यूक्रेन में फिल्म की शूटिंग की थी। हमे गुजराती भोजन पसंद है। अहमदाबाद और वडोदरा में मेरे कई गुजराती दोस्त हैं।

प्रेमिका की हत्या के बाद आत्महत्या का प्रयास करनेवाले युवक की अस्पताल में मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

राजकोट, पिछले 19 दिनों से राजकोट के सिविल अस्पताल में उपचाराधीन युवक की मौत हो गई है। गत 4 मार्च को राजकोट की एक होटल में नाबालिग प्रेमिका की हत्या के बाद युवक ने एसिड पीकर आत्महत्या का प्रयास किया था। युवक को शहर के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान आखिरकार उसकी मौत हो गई। गत 4 मार्च 2022 को सुबह करीब 10 बजे राजकोट पुलिस को सूचना मिली कि शहर के नोवा होटल में युवक-युवती ने सामूहिक आत्महत्या की है। खबर मिलते ही राजकोट की ए डिवीजन पुलिस नोवा होटल पहुंच गई। जहां युवती की मौत हो चुकी थी, जबकि युवक की हालत गंभीर थी और बेहोश था। पुलिस की प्राथमिक जांच में मामला सामूहिक आत्महत्या का होने का अनुमान था। लेकिन गहराई से जांच के बाद खुलासा हुआ कि युवक ने पहले युवती की हत्या की और उसके बाद आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस जांच में पता चला कि जेमिश धनराज देवायतका नामक युवक पोरबंदर का मूल निवासी था, जबकि मृत लड़की जामनगर की रहनेवाली थी। दोनों की मुलाकात जामनगर में हुई थी और उसके बाद दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी। गत 4 मार्च 2022 को जेमिश और लड़की राजकोट की नोवा होटल आए थे। जहां दोनों अपना आईडी कार्ड बताकर एक कमरा बुक कराया था। कमरे में जाने के बाद जेमिश ने लड़की की हत्या कर दी और उसके बाद सारा दिन उसके शव के पास बैठा रहा और सोचता रहा कि शव का आखिर निपटारा कैसे किया जाए? शव के निपटारे का कोई तरीका नहीं मिलने पर शाम को जेमिश ने एसिड गटगटा लिया। गंभीर हालत में जेमिश को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां 19 दिनों के उपचार के बाद आखिरकार उसकी मौत हो गई। पुलिस ने घटनास्थल से एसिड की बोतल, 2 पैकेजिंग लॉकर पट्टी, ब्लैड और पानी की बोतल इत्यादि बरामद किया था। पुलिस के प्राथमिक निष्कर्ष के मुताबिक जेमिश अपनी नाबालिग प्रेमिका की हत्या की योजना के साथ ही होटल में आया था और कमरे में पहुंचने के साथ उसकी हत्या कर दी थी।